आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 108 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 23 अप्रैल, 2025

मंत्रालय में हुई स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा : अस्पताल से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए जिलों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

एयर एम्बुलेंस सुविधा का होगा विस्तार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे।

समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला स्तर पर उपलब्ध होंगे शव वाहनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने अस्पताल से पोस्ट मॉर्टम एवं मत्यु के अन्य मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था प्रारंभ में जिला स्तर पर रहेगी। बाद में इस व्यवस्था को विकास खण्ड और तहसील तक विस्तार किया जाएगा।

एयर एम्बुलेंस सेवा बनाएंगे प्रभावीः मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का विस्तार इस तरह किया जाएगा कि किसी भी दुर्घटना स्थल पर भी एयर एम्बुलेंस को पहुंचाया जा सके। दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को चिकित्सक और कलेक्टर द्वारा निर्णय लेकर चिकित्सा संस्थानों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में एयर एम्बुलेंस सेवा में एक हेलीकाप्टर और एक एरोप्लेन उपलब्ध है। गरीब से गरीब नागरिक को इस सुविधा का लाभ देने का प्रयास है। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत राज्य के विभिन्न जोन निर्धारित कर इस सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

पीपीपी मोड पर नए मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। गत वर्ष नीमच, मंदसौर और सिवनी में कॉलेज प्रारंभ किए गए। इस तरह के अन्य मेडिकल कॉलेज भी प्रारंभ होंगे। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया चल रही है। गंभीर रोगों की आसानी से जांच और उपचार हो इसके लिए यह व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रदेश में नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

अंगदान और देहदान को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में अंगदान की घोषणा करने वालों और देहदान का संकल्प लेने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। अंगदान से एक से अधिक रोगियों को लाभ मिलता है। देहदान से चिकित्सा विद्यार्थियों के लिये शल्य क्रिया की दृष्टि से पार्थिव देह की उपलब्धता संभव होती है। अंगदान और देहदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों एवं उनके परिजन को महत्वपूर्ण अवसरों पर सम्मानित किया जाए।

सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं लेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विभिन्न सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में नागरिकों के उपचार में प्राप्त की जाएं। नए मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के पदों को भरने की प्रक्रिया भी संचालित है।

अनेक स्वास्थ्य योजनाओं की हुई समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था, मातृ शिशु संजीवनी कार्यक्रम, अनमोल 2.0 के माध्यम से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की शत प्रतिशत ट्रेकिंग और मानीटरिंग और आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन नीति 2025 के क्रियान्वयन, अस्पतालों के निरीक्षण, स्वास्थ्य संस्थाओं के भवनों के निर्माण, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने, महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ कुपोषण समाप्ति के लिए संयुक्त प्रयास, स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार और आम जन को बेस्ट प्रैक्टिसेस से अवगत करवाने, टीकाकरण पल्स पोलियो अभियान, डे-केयर सेंटर के संचालन, मोबाइल मेडिकल यूनिट और नर्सिंग महाविद्यालयों के निर्माण से संबंधित चर्चा एवं समीक्षा की।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला

सेना की वर्दी में आए आतंकियों ने धर्म पूछकर गोलियां मारीं

एजेंसी ● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों ने पर्यटकों के समूह पर हमला किया जिसमें 28 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 20 लोग घायल हो गए। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हमले की जिम्मेदारी कश्मीर में आतंक का नया पर्याय बने लश्कर- ए-तैयबा के हिट स्क्वॉड द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। आतंकी हमले की जांच के लिए एनआईए बुधवार को कश्मीर पहुंचेगी। आतंकी हमले के बाद सरकार एक्शन में है। सऊदी अरब से पीएम मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात कर मौके पर जाने और कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। अमित शाह श्रीनगर पहुंच गए हैं और सभी एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक की है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और हम अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। कोई भी आतंकी बख्शा नहीं जाएगा।

हमला

धर्म पूछकर गोली मारी

आतंकी हमले के सामने आए वीडियो में एक महिला रोती हुई मदद मांग रही है वह वहां मौजूद किसी स्थानीय व्यक्ति से कह रही है कि आतंकी धर्म पूछ-पूछकर लोगों को गोली मार रहे थे। साथ बैठे दंपती के पास आकर आतंकी कहते हैं ये मुस्लिम नहीं लग रहे, इन्हें मार दो और उसके पति को गोली मार दी। एक अन्य महिला कह रही है कि मेरे पति को बचा लो...वो वहां पर पड़े हैं। वहीं एक अन्य महिला अपने पति को कुर्सी पर बैठाए हुए है और कहती है प्लीज मेरी मदद करो। इन्हें गोली लगी है। एक अन्य महिला अपने बेटे को बचाने के लिए कह रही है। एक महिला ने बताया कि आतंकी ने उससे कहा कि तुझे नहीं मार रहा हूं। जा मोदी को बता देना। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टीम क्षेत्र में भेजी गई।

सेना की वर्दी में थे आतंकी

पहलगाम में बैसरन घाटी के पास आतंकियों ने घुड़सवारी कर रहे पर्यटकों पर हमला किया। हमले में कुछ घोड़े भी जख्मी हुए हैं। आतंकी सैन्य वर्दी में थे और दोपहर 2:30 बजे अंधाधुंध गोलीबारी की। बैसरन घाटी एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है जो पहलगाम से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. यहां घोड़ा या पैदल रास्ते से ही पहुंचा जा सकता है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक हर साल घूमने आते हैं। सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरु कर दिया है।

तेज हुआ सर्च ऑपरेशन

पहलगाम में टूरिस्ट पर आतंकी हमले के बाद सेना पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गई है. जिस जगह इस वारदात को अंजाम दिया गया, इसके आसपास के कई किलोमीटर के इलाके को सेना ने पूरी तरह से घेर लिया है। उन्हें मार गिराने के लिए ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कोच्चि में तैनात भारतीय नौसेना के एक अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल (26 वर्ष) छुट्टी पर थे और पहलगाम हमले में बलिदान हो गए। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं और 16 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी।

आतंकियों ने की थी होटलों की रेकी

सुरक्षा एजेंसियों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के आतंकी संगठनों ने अप्रैल के पहले हफ्ते में कश्मीर के कुछ टूरिस्ट प्लेस खासकर होटलों की रेकी करवाई थी। कश्मीर के इन टूरिस्ट प्लेस में पहलगाम के कुछ होटल भी शामिल थे। पाक बेस्ट आतंकी संगठनों जिसमें लश्कर-ए-तैयबा पर सुरक्षा एजेंसियों का शक सबसे ज्यादा है। 1 से 7 अप्रैल के बीच ये रेकी की गई थी. सेंट्रल एजेसियों के सूत्रों के मुताबिक तीन से ज्यादा आतंकियों ने इस हमले को अंजाम दिया है।

शक्ति दुबे ने किया टॉप, यूपीएससी में 1009 कैंडिडेट्स का चयन

एजेंसी ● नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने मंगलवार 22 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित सिविल सेवा परीक्षा (CSE) 2024 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस बार सीएसई परीक्षा में पहला स्थान प्रयागराज की रहने वाली शक्ति दुबे ने हासिल किया है। वहीं, दूसरे स्थान पर हर्षिता गोयल रही हैं। तीसरे स्थान पर डोंगरे अर्चित पराग, चौथे स्थान पर शाह मार्गी चिराग, पांचवें स्थान पर आकाश गर्ग, छठे स्थान पर कोमल पूनिया, सातवें स्थान पर आयुषी बंसल, आठवें स्थान पर राज कृष्ण झा, नौवें स्थान पर आदित्य अग्रवाल और दसवें स्थान पर मयंक त्रिपाठी हैं।

रिजल्ट

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में कुल 1,009 उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना है। इन उम्मीदवारों की नियुक्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS), भारतीय विदेश सेवा (IFS), भारतीय पुलिस सेवा (IPS) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप A और B) के पदों पर की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों में विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थी शामिल हैं, जिनमें 335 सामान्य वर्ग, 109 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS), 318 अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), 160 अनुसूचित जाति (SC) और 87 अनुसूचित जनजाति (ST) से हैं।

इस बार दिव्यांग श्रेणी (PwBD) के तहत भी कुल 45 उम्मीदवारों का चयन हुआ है, जिनमें 12 PwBD-1 (दृष्टिबाधित), 8 PwBD-2 (श्रवण बाधित), 16 PwBD-3 (चलने-फिरने में असमर्थता) और 9 PwBD-5 (अन्य दिव्यांगता) के अंतर्गत आते हैं।

शक्ति दुबे को कविताओं में है दिलचस्पी

यूपीएससी में इस बार पहली रैंक हासिल करने वाली प्रयागराज की शक्ति दुबे खुद पढ़ने के साथ-साथ और बच्चों को यूपीएससी की तैयारी करवा रही थीं। वह पिछले 7 सालों से यूपीएससी की तैयारी कर रहीं थीं। उन्होंने पांचवें प्रयास में यूपीएससी टॉप किया। साल 1996 में पैदा हुई शक्ति दुबे इससे पहले लास्ट इंटरव्यू में कट ऑफ मार्क से महज 12 अंकों से चूक गई थीं। उन्होंने बताया कि जब वह यूपीएससी की तैयारी कर रही थीं तो उन्होंने बहुत सारी स्ट्रेटजी फॉलो नहीं की उनके मुताबिक बहुत ज्यादा रिसोर्स इस्तेमाल किए जाएं तो इससे बेवजह कंफ्यूजन क्रिएट होती है उन्होंने अपनी तैयारी को लेकर बताया कि उन्होंने पुराने साल के पेपर पढ़े और उनसे तैयारी की। शक्ति दुबे ने वजीराम इंस्टीट्यूट से पढ़ाई की तो साथ ही वह वहां पर बतौर मेंटर बच्चों को पढ़ाती भी रहीं हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें कविताओं में काफी दिलचस्पी है। कविताएं पढ़ना ही नहीं बल्कि उन्हें कविताएं लिखने का भी काफी शौक है। शक्ति के पिता प्रयागराज में ट्रैफिक विभाग में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं और मां गृह कार्य संभालती हैं।

जेद्दा पहुंचे पीएम मोदी का तोपों की सलामी से स्वागत

एजेंसी ● जेद्दा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सऊदी अरब की दो-दिवसीय यात्रा पर जेद्दा पहुंचे। यह तीसरा मौका है जब पीएम मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर है, हालांकि जेद्दा में उनकी यह पहली यात्रा है। जब पीएम मोदी सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में पहुंचे तो रॉयल सऊदी एयर फोर्स के लड़ाकू एफ-15 विमानों ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। जेद्दा में उनका शानदार स्वागत हुआ। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। उनके सम्मान में सऊदी गायक हाशिम अब्बास ने हिन्दी में देशभक्ति का गाना गाया।

शाह अब्दुल अजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचने पर मोदी का स्वागत मक्का क्षेत्र के उप-गवर्नर राजकुमार सऊद बिन मिशाल बिन अब्दुल अजीज और वाणिज्य मंत्री डॉ. माजिद अल-कस्साबी ने किया। रिट्ज-कार्लटन होटल पहुंचने पर मोदी का भारतीय समुदाय के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस जारी

'संसद ही सर्वोपरि', आया जवाब : उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी ● नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद ही सर्वोपरि है। हर सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है।

बहस

दिल्ली विवि में एक कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारों के अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पिणयों का हवाला दिया। इसमें गोरखनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सांविधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि सांविधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह सांविधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है।

बहस में कूदे कपिल सिब्बल

'उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बयान पर कपिल सिब्बल का भी तुरंत ही जवाब आ गया। सुप्रीम पावर वाली बहस पर कपिल सिब्बल ने ट्वीट किया, , 'ना ही संसद और ना ही कार्यपालिका सुप्रीम है। संविधान ही सुप्रीम है। संविधान के प्रावधानों की ही सुप्रीम कोर्ट ने व्याख्या की है। यही कानून है, जो अब तक देश ने समझा है।' इस बीच कपिल सिब्बल पर सोशल मीडिया पर हमले भी हो रहे हैं। कई यूजर्स ने एक्स पर उनका 6 अगस्त, 2022 का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे सुप्रीम कोर्ट नाम की व्यवस्था पसंद नहीं है। उन्होंने कहा था कि अदालत में जज बिठाए जाते हैं और उसकी व्यवस्था गलत है। चीफ जस्टिस तय करता है कि कौन सा केस किसे मिलेगा। ईडी और उसे मिली शक्तियों को लेकर कपिल सिब्बल ने कहा था कि कानून कहता है कि जिसे गिरफ्तार किया गया है, वही सबूत देगा कि मैं बेगुनाह हूं। ऐसे मनमाने कानून को सुप्रीम कोर्ट ने सही करार दिया है तो आप उससे कैसी उम्मीद रखेंगे। इस तरह उनके सुप्रीम कोर्ट पर ही सवाल उठाने वाले वीडियो को लोग दोबारा शेयर कर रहे हैं और उन पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगा रहे हैं।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अगले हफ्ते सुनवाई

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा न्यायापालिका पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सांसद के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट में अगले सप्ताह याचिका पर सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया गया। वकील ने पीठ को बताया कि दुबे ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश देश में गृह युद्धों' के लिए जिम्मेदार हैं और उनकी टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर शीर्ष अदालत के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुद्दा यह है कि कम से कम आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को इस वीडियो को हटाने के निर्देश तो दिए जाएं। इस पर पीठ ने कहा कि मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसे दुबे की टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए उसकी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

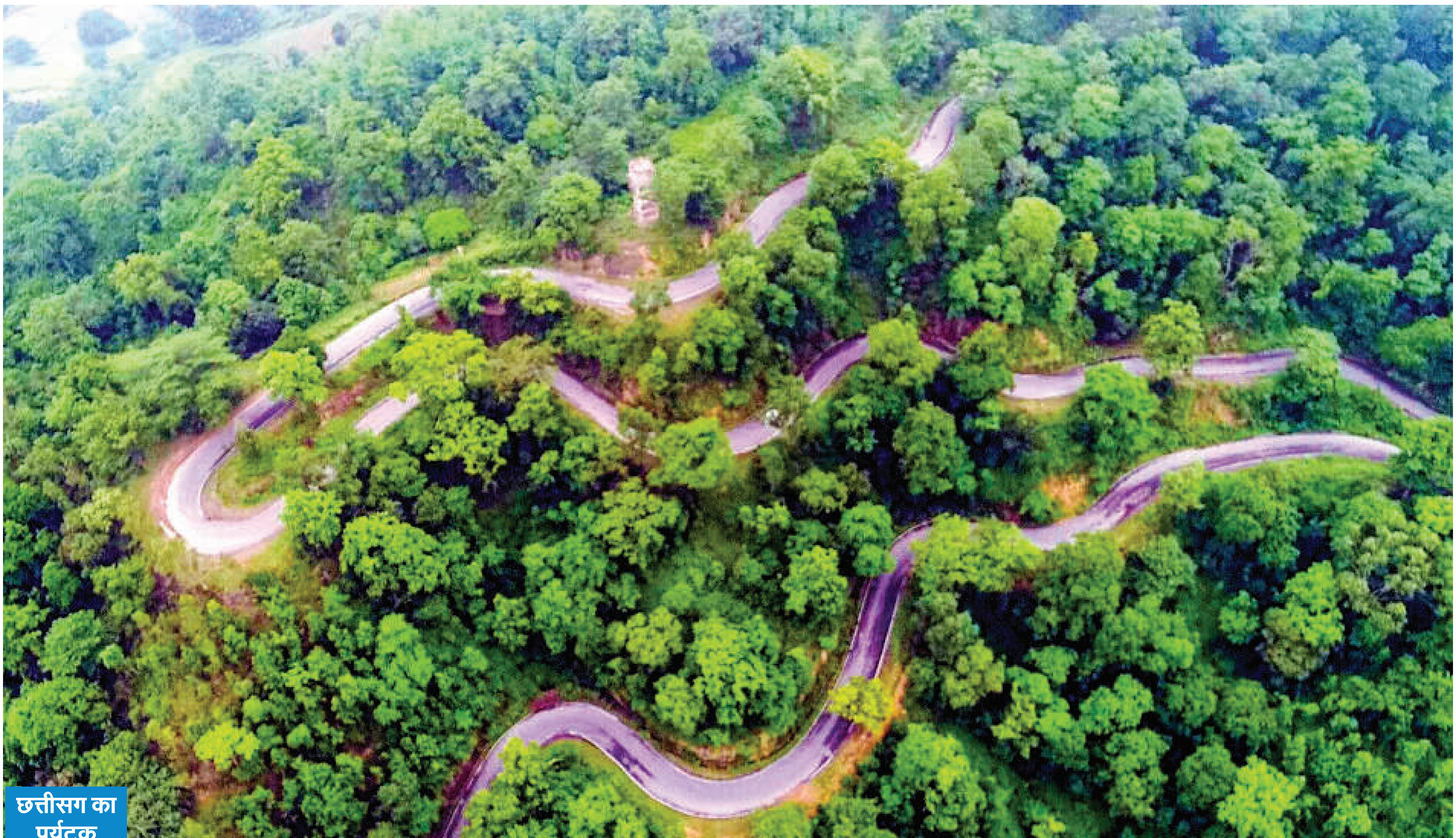

मैनपाट को इसकी विशाल तिब्बती आबादी और क्षेत्र पर प्रभाव के कारण अक्सर छत्तीसगढ़ का शिमला और मिनी तिब्बत कहा जाता है। तिब्बत पर चीनी आक्रमण के बाद तिब्बती शरणार्थियों को मैनपाट में किया गया और तब से उन्हें मैनपाट में घर मिल गया। मैनपाट के बारे में यह एक और बड़ी बात है, संस्कृतियों और अलग-अलग परंपराओं का संगम इस सुरम्य गांव के आकर्षण को बढ़ाता है।

न्यूज कॉलम

छत्तीसगढ़, रायपुर सबसे गर्म, कई जिलों में लू की चेतावनी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है. गर्मी के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं और तापमान सारे रिकॉर्ड तोड़ रहा है. प्रदेश की राजधानी रायपुर में तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक तापमान है. वहीं जगदलपुर में न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में तापमान में 1 से 2 डिग्री की और वृद्धि की संभावना जताई है.छत्तीसगढ़ में 21 अप्रैल 2025 को शाम 5:30 बजे तक विभिन्न जिलों में अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जिसमें सबसे अधिक तापमान रायपुर में 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ. इसके बाद बिलासपुर में 43.4 डिग्री, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 42.7 डिग्री, दुर्ग में 42.6 डिग्री, बेमेतरा में 42.3 डिग्री, और रायगढ़ में 42 डिग्री तापमान दर्ज किया गया. वहीं, मुंगेली में तापमान 41.9 डिग्री, सूरजपुर और सरगुजा में 40.8 डिग्री, कोरिया में 39.7 डिग्री, कांकेर में 38.5 डिग्री, दंतेवाड़ा में 38 डिग्री और बस्तर में 37.8 डिग्री रहा. बस्तर में तापमान में 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि रायगढ़ में 1.3 डिग्री की वृद्धि हुई।

छत्तीसगढ़ की एक और उपलब्धि- जल संरक्षण योजना के लिए मिला प्रधानमंत्री पुरस्कार

आईएएस नम्रता गांधी ने पानी की समस्या दूर करने जिले में किया था विशेष काम

संवाददाता ● धमतरी

जीआईएस आधारित जल संरक्षण योजना के सफल संचालन के लिए छत्तीसगढ़ ने उपलब्धि हासिल की है. 21 अप्रैल को सिविल सर्विस डे के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में आईएएस नम्रता गांधी को प्रधानमंत्री पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। उन्होंने धमतरी में कलेक्टर रहते हुए अपने कार्यकाल के दौरान जिले में पानी की समस्या को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण पर विशेष काम किया था। नम्रता गांधी ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद इसे टीम धमतरी को समर्पित किया है। नम्रता गांधी ने अपने संदेश में कहा कि जल संरक्षण और फसल चक्र परिवर्तन जैसे व्यापक विषयों पर सफलता केवल टीम वर्क से ही संभव है।

सभी की भागीदारी से धमतरी में पानी बचाने और इसके प्रति आमजनों को जागरूक करने के लिए जो प्रयास किया गया, यह पुरस्कार उसकी सफलता को स्वयं ही बताता है। नम्रता गांधी ने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओ, औद्योगिक संस्थानों के साथ-साथ सभी जिलेवासियों को भी इस पुरस्कार के मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है और उन सभी के सकारात्मक सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया है।उल्लेखनीय है कि धमतरी की पूर्व कलेक्टर नम्रता गांधी के कार्यकाल के दौरान धमतरी जिले में पानी की समस्या को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण पर विशेष काम किए गए। जीआईएस आधारित जल संरक्षण अभियान का संचालन किया गया। इसके तहत पानी बचाने के लिए बनाई जाने वाली सभी संरचनाओं की जीआईएस मैपिंग कराई गई। जिले के सभी गांवों में क्लार्ट एप्प के माध्यम से भूमि की आंतरिक संरचना का परीक्षण कर वहां भूजल स्तर बढ़ाने में उपयोगी जल संरचनाएं बनवाई गईं। पानी बचाने के इस अभियान में जल शक्ति मंत्रालय के विशेषज्ञों की भी मदद ली गई।

सभी बड़े भवनों में अनिवार्य किया रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

जिले के सभी बड़े भवनों, निजी स्कूलों, अस्पतालों, रेस्टोरेंटों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और रूफ टॉप स्ट्रक्चर बनाना अनिवार्य किया गया। पानी की समस्या से जूझने वाले गांवों में जरूरी बैठकें कर जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया गया, उन्हें रैन वाटर हार्वेस्टिंग, रूफटॉप स्ट्रक्चर, बेस्ट वाटर मैनेजमेंट की तकनीकों की जानकारी दी गई। इस अभियान में जनजागरूकता के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों, निजी संस्थान संचालकों की कार्यशालाएं आयोजित की गईं। रैलियों, प्रभात फेरियों, दीवार लेखन-नुक्कड़ नाटकों के साथ-साथ आधुनिक प्रचार-प्रसार के तरीकों एनीमेटेड वीडियो-ऑडियो आदि के माध्यम से लोगों में जल संरक्षण की अलख जगाई गई। इस काम में स्वयं सेवी संस्थाओं की भी मदद ली गई।

जिले में लगाए गए 11 लाख पौधे

तालाबों से निकली मिट्टी से खेतों की उर्वरा शक्ति में बढ़ोत्तरी हुई। जिले की 225 औद्योगिक इकाईयों ने केन्द्रीय भूजल बोर्ड मानकों के आधार पर बारिश के पानी को बचाने के लिए जल संरचनाओं का निर्माण कराया। राईस मिलां में वाटर फ्लो मीटर लगाए गए। जिले के आदिवासी क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए तालाब और डबरियां बनाई गईं। गांव के पास से गुजरने वाले नालों पर डाईक बनाए गए, ताकि गांव में पानी का जलस्तर बढ़े। जिले में लगभग 11 लाख पौधों का रोपण इस दौरान किया गया।

फसल चक्र परिवर्तन के बारे में गांवों में फैलाई जागरूकता

ग्राम पंचायतों में फसल चक्र परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाई गई। स्थानीय स्तर पर पेड़ लगाने, पेड़ों पर रक्षासूत्र बांधने, शादी-ब्याह और उत्सवों में बहू-बेटियां को उपहार में पौधे देने जैसे सफल प्रयोग किए गए। इस अभियान की सफलता में तत्कालीन कलेक्टर नम्रता गांधी के नेतृत्व में शहरी और ग्रामीण सभी लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नगरीय क्षेत्रों के तालाबों की सफाई से लेकर निस्तारी पानी और बारिश के पानी की समुचित निकासी करने, ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने के लिए भी योजना बनाई गई। भारतीय जैन संगठना, साथी समूह जैसी कई स्वयं सेवी संस्थाओं ने भी इस काम में सहयोग किया। तालाबों को पुनर्जीवित कर जलधारण क्षमता बढ़ाई गई।

मुठभेड़ में हार्डकोर नक्सली ढेर

315 बोर की राइफल समेत विस्फोटक सामग्री बरामद, 3 लाख का था इनाम

संवाददाता ● बीजापुर

छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरी ताकत से अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर में जवानों ने नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है. जवानों ने केरपे-तोड़समपारा के जंगल में मुठभेड़ में 3 लाख के इनामी नक्सली वेल्ला वाचम को मार गिराया है. वेल्ला वाचम गुण्डीपुरी आरपीसी का मिलिशिया प्लाटून कमांडर था.

दरअसल, सुरक्षाबलों को सूचना तंत्र से पता चला था कि केरपे- तोड़समपारा के जंगल पह-ाड़ में माओवादियों की उपस्थिति की है. थाना बेदरे एवं उअक्र9/ए उङ्ग८ की संयुक्त टीम मौके के लिए रवाना हुई. इस बीच नक्सली पहले से ही घात लगाए बैठे थे और जैसे ही जवान वहां पहुंचे उनपर अंधाधुंध फायरिंग की गई. अभियान के दौरान सुरक्षा बलो ने जवाबी कार्रवाई में 1 हार्डकोर माओवादी को ढेर कर दिया. ढेर नक्सली अंबेली ब्लास्ट की घटना में शामिल था.वर्ष 2025 में बीजापुर जिला अंतर्गत सुरक्षा बलों ने विरूद्ध नक्सल विरोधी अभियान संचालित कर बीते 112 दिनों में कुल 87 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किया है.वहीं अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 213 माओवादियो को गिरफ्तार करने मे सुरक्षा बलो को सफलता मिली और 179 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में नक्सल विरोधी अभियान में प्राप्त बढ़त को आगे बरकरार रखते हुये वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरूद्ध नक्सल विरोधी अभियान संचालित किये जाने के परिणाम स्वरूप विगत 112 दिनों में कुल 125 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किये गये. सरकार के मंशा के अनुसार और जनता की इच्छा के अनुसार पुलिस मुख्यालय के मार्गदर्शन में बस्तर रेंज में तैनात अन्य समस्त सुरक्षा बल सदस्यों द्वारा मजबूत मनोबल एवं स्पष्ट लक्ष्य के साथ बस्तर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा व विकास हेतु समर्पित होकर कार्य किया जा रहा है.

धर्मांतरण पर गरमाई सियासत : भाजयुमो प्रदेश के अध्यक्ष के बयान को पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बताया हिंसक

संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर सियासी पारा एक बार फिर चढ़ गया है. भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने आदिवासी क्षेत्रों में हो रहे धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि पांचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में बने चर्च को तोड़ देना चाहिए. रवि भगत के इस बयान को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने हिंसक बताया है.पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि यह प्रदेश को अस्थिर करने और हिंसा फैलाने वाला बयान है. ये लोग चाहते हैं कि प्रदेश को अशांत करें. इस तरह के बयानों का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है. शांत छत्तीसगढ़ को ऐसे लोग अशांत करना चाहते हैं. ऐसे लोगों पर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए.

कहा- ये लोग चाहते हैं प्रदेश को अशांत करना

रवि भगत का बयान

भाजपा के युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा कि हमारे देश के जनजातीय क्षेत्रों में जिस प्रकार से धर्मांतरण का खेल चल रहा है, वह जनजाति समाज की संस्कृति को खत्म करने का एक बहुत बड़ा षड्यंत्र है. पांचवी अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के व्यक्तियों के अलावा किसी अन्य संस्था को धार्मिक केंद्र बनाने का कोई अधिकार नहीं है.

उन्होंने आगे कहा कि पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में जो चर्च बने हैं, वे या तो गलत हैं या असंवैधानिक हैं. मुझे लगता है कि हमारी न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं को इस पर ध्यान देना चाहिए. जहां-जहां पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में चर्च बने हैं, उन्हें तोड़ा जाना चाहिए, हटाया जाना चाहिए. तभी जाकर जनजातीय समाज की संस्कृति बच सकेगी. साथ ही समाज को भी इसके लिए आगे आना चाहिए कि हमारे पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में इस प्रकार धड़ल्ले से चर्च का निर्माण और धर्मांतरण का खेल बंद होना चाहिए.

कम परसेंट आने पर 9वीं की छात्रा ने किया सुसाइड

कोरबा। परीक्षा में कम प्रतिशत आने से दुखी 9वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. छात्रा की लाश घर के कमरे में लटकी मिली. इस घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुराहाल हो गया है. पूरा मामला कोरबा जिले के बालको नगर क्षेत्र का है.14 वर्षीय छात्रा जानवी राजपूत ने 9वीं में 78 प्रतिशत लाई है. उन्होंने इससे अधिक परसेंट आने की अपेक्षा रखी थी. कम प्रतिशत आने पर जानवी ने सुसाइड कर ली. बताया जा रहा कि पिता ने बेटी को हौसला देने नए कपड़े और मिठाई भी बांटे थे. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच कर रही.

लव, सेक्स और फिर धोखाः महिला डॉक्टर की शिकायत पर विभाग के एलजीओ के खिलाफ प्रकरण दर्ज

संवाददाता ● बिलासपुर

शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक महिला डॉक्टर से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप पीएचई विभाग में पदस्थ एसडीओ नमित कोसरिया पर लगा है, जो वर्तमान में जांजगीर-चांपा में पदस्थ हैं। आरोपी पर प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और फिर धोखा देने का आरोप है।पीड़िता ने थाने में दी गई शिकायत में बताया कि उसकी पहचान नमित कोसरिया से वर्ष 2019 में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच संबंध बन गए। पीड़िता का आरोप है कि शादी का झांसा देकर आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। साल 2023 में पीड़िता गर्भवती हो गई, लेकिन जब उसने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने समय मांगते हुए गर्भपात करा दिया।इसके बाद आरोपी ने अपने परिवार की रजामंदी का हवाला देते हुए शादी की बात को टालता रहा। इसी दौरान पीड़िता को पता चला कि नमित किसी दूसरी युवती से शादी की तैयारी कर रहा है। खुद को ठगा महसूस करते हुए पीड़िता ने सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया है।

धर्म वह तत्व है, जो हमें परमात्मा से जोड़ता है : स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य

संवाददाता ● इंदौर

प्रवचन

धर्म वह तत्व है, जो हमें परमात्मा से जोड़ता है। जिस आचरण से हम परमात्मा की निकटता प्राप्त करें, वही धर्माचरण होता है। श्रीमद भागवत को हमारे शास्त्रों में कल्पवृक्ष कहा गया है, जिसकी छाया में जाने मात्र से हमारे मन के शुभ संकल्प साकार हो उठते हैं। जिसका आचरण श्रेष्ठ होता है, वही समाज में सर्वोपरि माना जाता है। यदि हृदय में कचरा भरा होगा तो श्रेष्ठ विचारों के लिए जगह नहीं रहेगी। भागवत भारत भूमि का ऐसा ग्रंथ है, जिसका श्रवण सच्चे मन से क्षण भर के लिए भी कर लिया जाए तो हमारे मोक्ष का द्वार खुल जाएगा। हमारी नई पौध को शिक्षा के साथ संस्कारों की भी जरूरत है, जो भागवत, रामायण और गीता जैसे ग्रंथों से ही मिलेंगे।

ये प्रेरक विचार हैं मलूक पीठाधीश्वर जगद्गुरू द्वाराचार्य स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य के परम शिष्य महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास महाराज के, जो उन्होंने बंगाली चौराहा के पास बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर चल रहे संगीतमय भागवत ज्ञानयज्ञ में व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व विशाल ठाकुर के साथ समाजसेवी अशोक बिदासरिया, सत्यमसिंह गोल्डी, भूपेन्द्रसिंह केसरी, पं. सुरेन्द्र शर्मा, मुकेश हलवे एवं रामावतारसिंह सिकरवार, राजेश सचान, अनिश पांडे, राहुल सिंह, सिकरवार आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। । बिजलेश्वर महादेव मंदिर महिला भक्त मंडल की ओर से महामंडलेश्वर एवं वृंदावन से आए संतों की गरिमापूर्ण अगवानी की। कथा में बुधवार को वामन अवतार एवं कृष्ण जन्म प्रसंग की कथा एवं उत्सव होंगे। संयोजक विशालसिंह सिकरवार ने बताया कि कथा स्थल बिजलेश्वर महादेव मंदिर पर भक्तों की सुविधा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। कथा 26 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक होगी।

भागवत की महत्ता बताते हुए महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास ने कहा कि कलियुग में भागवत जैसी साक्षात भगवान की वाणी का श्रवण मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। भागवत भारत भूमि का विलक्षण ग्रंथ है, जिसे हजारों बार सुनने के बाद भी भक्ति की प्यास खत्म नहीं होती, बल्कि और बढ़ जाती है।

कलेक्टोरेट में मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जनसुनवाई हुई

मां की पुकार... 13 साल की बेटी को 40 साल का आदमी ले गया

संवाददाता ● इंदौर

कलेक्टोरेट में मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में जनसुनवाई हुई। इसमें कई पीड़ित अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर ने बताया कि विभिन्न प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिन्हें संबंधित विभागों को जांच के लिए सौंप दिया गया है।

सुनवाई

एक ऐसा मामला भी सामने आया, जिसमें लापता बच्ची की मां कलेक्टर के सामने पहुंची और बताया कि मेरी बच्ची फरवरी से लापता है और मेरी कहीं पर भी सुनवाई नहीं हो रही है। न ही कोई कार्रवाई हो पा रही है। मेरी बच्ची सिर्फ 13 साल की है और उसे 40 साल का आदमी लेकर फरार हो चुका है। उसकी पहले से ही दो पत्नी और पांच बच्चे हैं। किसी भी थाने पर न सुनवाई हो रही है और न कोई कार्रवाई। मामला आजाद नगर थाने क्षेत्र का है। यहां रहने वाली रुबीना अपने बच्ची की तलाश में जनसुनवाई में पहुंची। उसने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर अपना दुखड़ा सुनाया। बताया कि बच्ची का कोई पता नहीं चल पा रहा है। उसे फरवरी में 40 साल का आदमी ले गया है। मां को जादू-टोने की शंका है।

मोबाइल नहीं चलाने देते

एक लड़की ने कलेक्टर से शिकायत की कि घरवाले मुझे मोबाइल नहीं चलाने देते हैं। सोशल मीडिया चलाने से मना करते हैं। कंचन पंचोलिया ने बताया कि घर में मुझे परेशान किया जा रहा है। मुझे कमरे में बंद करके रखते हैं। मम्मी-पापा और भाई अक्सर मुझे बहुत परेशान कर मारते भी हैं। कलेक्टर ने एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह को मामले की जांच कर कार्रवाई के बारे में निर्देश दिए हैं।

समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश

जनसुनवाई में मुख्य रूप से मार्ग, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सहायता से संबंधित समस्याओं के आवेदन आए। कॉलोनी से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं, जिनमें डेवलपमेंट और मूलभूत सुविधाओं की कमी की बात कही गई है। इन शिकायतों को भी जांच के लिए कॉलोनी सेल को सौंप दिया गया है। रेडक्रॉस के माध्यम से पीड़ितों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए हैं।

प्रवेश द्वार पर चेकिंग

कलेक्टोरेट में जनसुनवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। प्रवेश द्वार पर चेकिंग की जा रही है और पानी की बोतल, गुटखा पाउच, सिगरेट आदि ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह कार्रवाई बीते दिनों एक युवक द्वारा खुद पर पेट्रोल छिड़कने की घटना के बाद की गई है। कलेक्टर ने बताया कि यह सुरक्षा व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी, ताकि जनसुनवाई में आने वाले लोगों को परेशान न होना पड़े।

अटलांटिस सिटी कॉलोनी में धोखाधड़ी

अटलांटिस सिटी कॉलोनी में धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित प्लॉटधारकों ने शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि शंखेश्वर देवकान प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर्स ने झूठे दस्तावेजों के आधार पर विकास कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया और प्लॉट बेचकर धोखाधड़ी की। पीड़ितों ने मांग की है कि कंपनी के डायरेक्टर्स पर धोखाधड़ी और जालसाजी के जुर्म में प्रकरण दर्ज करवाया जाए। कॉलोनी के प्लॉट बेचने पर प्रतिबंध लगे और चिराग शाह की हिस्सेदारी के प्लॉट जब्त किए जाएं। उनसे विकास कार्य करवाया जाए। पीड़ितों ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि वे उनके तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए त्वरित व उचित कार्रवाई करें।

डीईओ सस्पेंड जनसुनवाई में गैरहाजिर होने पर गिरी गाज

कलेक्टर आशीषसिंह का जनसुनवाई में सख्त रुप सामने आया। एक दिन पहले ही उन्होंने सभी अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि वे हर जनसुनवाई में आवश्यक रुप से मौजूद रहें। इसके बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) सुषमा वैश्य उपस्थित नहीं हुईं। इस पर उन्होंने तत्काल प्रभाव से उन्हें सस्पेंड करने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य अधिकारियों को भी चेताया कि सभी लोग जनसुनवाई में उपस्थित रहें। कलेक्टर के प्रस्ताव पर संभागायुक्त दीपक सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी सुषमा वैश्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका प्रभार संयुक्त कलेक्टर विजय कुमार मंडलोई को सौंपा है। दरअसल कलेक्टर ने सोमवार को टीएल बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया था कि पेंडिंग केसों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करें कि उनके अधिकारी प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में अनिवार्य रुप से उपस्थित रहें। कलेक्टर ने स्पष्ट रुप से कहा था कि जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और उनका संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। अगर कोई अपरिहार्य कारण है तो उसके लिए अनुमति लें। कलेक्टर ने यह भी चेतावनी दी थी कि जो अधिकारी जनसुनवाई में गैरहाजिर पाए जाएंगे अथवा प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतेंगे, उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विभागवार प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जहां प्रकरण अधिक समय से लंबित हैं, उन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए थे।

पटेल नर्सिंग होम सील

जनसुनवाई में मंगलवार को आई शिकायत पर कलेक्टर के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन के अमले ने भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित क्लीनिक को सील कर दिया है। जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह के समक्ष शिकायत प्राप्त हुई थी कि भोलाराम उस्ताद मार्ग पर पटेल नर्सिंग होम का अवैध संचालन किया जा रहा है। इसमें अनधिकृत चिकित्सकों द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जो मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। कलेक्टर ने शिकायत को तुरंत संज्ञान में लेकर नर्सिंग होम के खिलाफ कार्रवाई के लिए नायब तहसीलदार शिवशंकर जारोलिया को तुरंत मौके पर भेजा। नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई जिला प्रशासन के अमले के साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों ने की। इस तरह कलेक्टर के निर्देश पर पटेल नर्सिंग होम को सील कर दिया गया है।

कोरोना के दो मरीज मिले

युवक का इलाज जारी

संवाददाता ● इंदौर

शहर में लंबे समय बाद कोविड के दो मरीज मिले हैं। इनमें एक युवक है जबकि दूसरी बुजुर्ग महिला है। दोनों को एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। दोनों को अलग-अलग बीमारियां हैं। इनमें से महिला की अन्य बीमारियों के चलते सोमवार को मौत हो गई जबकि युवक का इलाज चल रहा है।

युवक मूलतः देवास का रहने वाला है और दो-तीन दिनों से उसे सर्दी-खांसी थी। उसने पहले दूसरे अस्पताल में दिखाया, लेकिन फर्क नहीं पड़ने पर अरबिंदो में दिखाया। यहां उसकी कई प्रकार की जांचें हुईं। इससे कोविड की पुष्टि हुई। दूसरी महिला शहर के पश्चिमी क्षेत्र की रहने वाली है। 74 वर्षीय इस महिला को किडनी की बीमारी के कारण एडमिट किया गया था। उसे सीवियर सेप्टिक था। वह कोमार्बिट पेशेंट थी। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसकी भी फ्लू पैनल जांच की गई। इसमें वह भी कोविड पॉजिटिव पाई गई। सोमवार को उसकी मौत हो गई। अरबिंदो अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. विनोद भंडारी ने स्पष्ट किया कि उसे कोविड था, लेकिन मौत का कारण किडनी सहित अन्य बीमारियां थीं। स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू कर दी है। युवक के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है और उनके सैंपल लिए जाएंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने दोनों ही मरीजों के कोविड पॉजिटिव होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दोनों ही मरीजों के परिजनों को आइसोलेट करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कॉन्टैक्ट हिस्ट्री भी तलाशी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

पंचशील आईटी टेक्नो पार्क का शुभारंभ 27 को

सीएम मोहन यादव की मौजूदगी में होगा, 1 हजार करोड़ का होगा निवेश, 15 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

संवाददाता ● इंदौर

शुभारंभ

आईटी कॉन्क्लेव में 27 अप्रैल को सीएम इंदौर को एक और आईटी पार्क की सौगात देंगे। यह आईटी पार्क पंचशील (इंफ्रा डेवलपर) द्वारा तैयार किया जाएगा और इसका नाम आईटी टेक्नो पार्क होगा। इस पार्क में 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक द्वारकेश सर्राफ ने बताया कि कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए देश-विदेश की लगभग 80 आईटी कंपनियों से जुड़ी कई हस्तियां आ रही हैं। मुख्यमंत्री सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत सीसीआईपी के जरिए से आवंटित 10 एकड़ जमीन पर 20 लाख वर्गफुट में आईटी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। शुरुआत में आईटी कंपनियां लगभग 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगी, जिससे 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। सर्राफ के मुताबिक, सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क के अलावा मुख्यमंत्री सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित होने जा रहे 120-सीटर इन्क्यूबेशन सेंटर की भी शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही दो नई कंपनियों, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 10,248 वर्गफुट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस प्रोजेक्ट का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे।

इन्क्यूबेशन सेंटर में इनकी भी भागीदारी : इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और आईआईटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से सात सालों के लिए की जा रही है। इससे पहले, एमपीआईडीसी इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में भी एक इन्क्यूबेशन सेंटर शुरू किया गया था।

एयर इंडिया : कोयंबटूर के लिए पहली बार सीधी उड़ान जल्द, व्यापार के लिहाज से फायदेमंद

संवाददाता ● इंदौर

उड़ान

इंदौर से कोयंबटूर के बीच जल्द ही सीधी फ्लाइट शुरू होने वाली है। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इंदौर से कोयंबटूर के लिए एयर इंडिया फ्लाइट का संचालन करेगी। कंपनी ने इस फ्लाइट के संचालन की जानकारी अपने सोशल मीडिया पेज साझा की है, लेकिन फ्लाइट कब से शुरू होगी इसकी जानकारी नहीं दी है। इंदौर से लगातार यात्री कोयंबटूर के लिए यात्रा करते हैं। इस उड़ान के शुरू होने पर इंदौर से चेन्नई के बाद तमिलनाडु के लिए यह दूसरी उड़ान होगी, जिससे इंदौर का तमिलनाडु से संपर्क भी मजबूत होगा। इस फ्लाइट के शुरू होने से इंदौर का साउथ से संपर्क बेहतर हो सकेगा। व्यापार के लिहाज से भी यह फ्लाइट काफी फायदेमंद होगी। हालांकि कंपनी के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में अब तक उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है। बता दें कि तमिलनाडु स्थित कोयंबटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर भी कहा जाता है। एयर इंडिया द्वारा इस मार्ग पर उड़ान शुरू किए जाने को लेकर अपने ऑफिशियल पेज के माध्यम से जानकारी जारी की गई है। एयर इंडिया नए मार्गों पर उड़ानें शुरू करने पर काम कर रही है। एयर इंडिया की ही सहयोगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस भी इंदौर से कई नई उड़ानें शुरू कर चुकी है। इनमें दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और गोवा की उड़ानें शामिल हैं। साथ ही कंपनी पहले से शारजाह की फ्लाइट भी संचालित कर रही है।

सुपर कॉरिडोर पर कृषि उपज मंडी का सेंटर स्थापित होगा

संवाददाता ● इंदौर

नगरीय विकास व आवास विभाग ने विकास प्राधिकरण के तीन बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। सुपर कॉरिडोर पर कृषि उपज मंडी का ऐसा सेंटर स्थापित होगा, जहां प्रदेश के अलग-अलग जिलों में होने वाली उपज की ब्रांडिंग हो सकेगी। वहीं कन्वेंशन सेंटर और स्टार्टअप पार्क को भी मंजूरी मिल गई है। अब इन दोनों मेगा प्रोजेक्ट के निर्माण के टेंडर जारी करने का रास्ता साफ हो गया है। दोनों प्रोजेक्ट की डीपीआर बन चुकी है।

सुपर कॉरिडोर पर आईडीए ने कृषि उपज मंडी समिति को प्लॉट आवंटित किया था। पीएसपी उपयोग के इस प्लॉट पर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में होने वाली विशेष उपजों की ब्रांडिंग की जा सकेगी, ताकि वहां के किसानों को इसका फायदा मिल सके। खाद्य निगम को भी स्कीम 78 में 800 वर्गमीटर का औद्योगिक उपयोग का प्लॉट दिया गया था। इसकी भी मंजूरी विभाग से मिल गई है।

सीईओ रामप्रकाश अहिरवार के मुताबिक कन्वेंशन सेंटर और स्टार्टअप पार्क के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। स्टार्टअप पार्क का निर्माण आईडीए द्वारा निजी फर्म से कराया जाएगा। रेशो डील में यह प्रोजेक्ट तैयार होगा। यहां कन्वेंशन सेंटर के अलावा और भी कई तरह की सुविधाएं होंगी।

आयुक्त को 65 आवेदन मिले

निगम ने 6 आवेदकों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश सौंपे

संवाददाता ● इंदौर

आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार निगम मुख्यालय में मंगलवार को अपर आयुक्त द्वारा जनसुनवाई की गई। इस क्रम में निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री व विभाग प्रमुख के साथ जनसुनवाई की गई। इस अवसर पर जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिये गये।

जनसुनवाई

जनसुनवाई के दौरान आयुक्त शिवम वर्मा एवं सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाडिया द्वारा जनसुनवाई कक्ष में अनुकंपा नियुक्ति के पात्र विशाल पिता प्रकाश, राहुल पिता तुकाराम, मोहम्मद बिलाल पिता फारूक, अर्थ पिता ओमप्रकाश , राजाराम पिता राम, तरूण पिता गोपाल को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर अनुकंपा नियुक्ति के पात्र हितग्राही द्वारा आयुक्त के के प्रति आभार प्रकट करते हुए लंबित अनुकंपा प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने पर प्रशंसा भी की गई। इस दौरान आयुक्त वर्मा ने स्वास्थ्य व प्रधान कार्यालय के स्थापना विभाग को निर्देशित किया कि अनुकंपा नियुक्ति से संबधित जितने भी प्रकरण लंबित हैं, उन्हें नियमानुसार शीघ्र समाधान कर पात्रतों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश सौंपे जाएं। अनुकंपा नियुक्ति के लिये आयुक्त द्वारा अभिलेख सत्यापन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं चरित्र सत्यापन के लिये पुलिस प्रशासन से दूरभाष पर चर्चा की तथा जितने भी प्रकरण लंबित है, उनका शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा गया।

जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग आवेदक के आवेदन पर आयुक्त वर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास के लिये लोन प्रकरण के निराकरण करने के साथ ही दिव्यांगजन को नियमानुसार शासन की जनकल्याणकारी योजना का लाभ देने के लिए अपर आयुक्त शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ को निर्देशित किया गया, ताकि दिव्यांग व्यक्ति स्वयं का रोजगार कर सके। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागों के 65 आवेदन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किये। आयुक्त ने नागरिकों को सुना तथा अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

जातियों को लेकर पूर्वाग्रह अभी तक कम नहीं हुआ है

हाल ही में हमने डॉ. बीआर आम्बेडकर की 134वीं जयंती मनाई है। इस अवसर पर पूछा गया कि वर्तमान विकसित भारत में डॉ. आम्बेडकर कितने प्रासंगिक हैं। मेरी राय में, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने कि देश की आजादी के शुरूआती वर्षों में थे। और मेरे पास ऐसा कहने के पर्याप्त प्रमाण हैं। मैं इस लेख में इस संबंध में तीन दलीलें पेश करना चाहूंगा। पहली, सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के बावजूद अभी भी दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों का ऊंचे पदों पर पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। दूसरी, जातिगत पूर्वाग्रह अभी भी बहुत मजबूत बने हुए हैं। तीसरी, शिक्षा के व्यापक प्रसार के बावजूद जातिगत पहचान देश में बहुत मजबूत हुई है। पहले की तुलना में एकमात्र बदलाव यह है कि पहले जातिगत पहचान प्रमुख जातियों द्वारा प्रदर्शित की जाती थी, अब यह वर्चस्वशाली जातियों के साथ ही वंचित वर्गों द्वारा भी प्रदर्शित की जाती है।

सबसे पहली बात, आरक्षण के प्रावधानों के बावजूद शैक्षणिक संस्थानों में दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के उच्च पदों (प्राध्यापक), भारतीय नौकरशाही (आईएएस) में शीर्ष ओहदों, केंद्र सरकार की नौकरियों में अच्छी पोजिशन, उच्च न्यायपालिका और अन्य सरकारी नौकरियों में कम प्रतिनिधित्व के कई सबूत मिलते हैं। विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में भी यही कहानी है। जहां निचले स्तर पर पदों के लिए रिक्तियों और भरे गए पदों के बीच का अंतर कम हो सकता है, लेकिन उच्च पदों के लिए यह बहुत अधिक है। दलित और आदिवासी समुदायों के लोगों के लिए स्वीकृत पदों पर भर्ती न होने के कई कारण बताए जाते हैं, जिनमें से एक अक्सर उद्धृत किया जाने वाला कारण ह्यपद के लिए किसी का भी उपयुक्त नहीं पाया जाना है।

आजादी के कई दशक बीतने के बाद भी समाज में जातिगत पूर्वाग्रह बहुत मजबूत बने हुए हैं। हमारे रोजमर्रा के जीवन में, हमारे आस-पड़ोस में, जहां हम रहते हैं और जहां हम काम करते हैं- वहां वंचित जातियों के खिलाफ मजबूत पूर्वाग्रहों की साझा भावना के साक्ष्य मौजूद हैं। कुछ दशक पहले तक दिल्ली में शायद ही कोई पड़ोसी अपने फ्लैट/घर के पास रहने वाले व्यक्ति/परिवार की जाति के बारे में पूछता था, जो कि अब देश की राजधानी में नहीं होता। दबी जुबान से ही सही, लेकिन जाति के बारे में पूछताछ दिल्ली के मध्यम वर्ग के इलाकों में आम बात हो गई है। इतना ही नहीं, अगर कोई अपना फ्लैट/घर वंचित जातियों के लोगों को किराए पर देने की कोशिश करता है, तो वहां पहले से रह रहा दूसरा पड़ोसी विनम्रता से कह सकता है कि कृपया किसी ह्यअच्छे परिवारह्न को किराए पर दें। स्पष्ट संदेश यह है कि एक प्रभावशाली जाति से ताल्लुक रखने वाला व्यक्ति किसी वंचित वर्ग के व्यक्ति को फ्लैट भी किराए पर नहीं दे सकता।

> **कुछ दशक पहले तक दिल्ली में शायद ही कोई पड़ोसी अपने फ्लैट/घर के पास रहने वाले व्यक्ति/परिवार की जाति के बारे में पूछता था, जो कि अब देश की राजधानी में नहीं होता। दबी जुबान से ही सही, लेकिन जाति के बारे में पूछताछ दिल्ली के मध्यम वर्ग के इलाकों में आम बात हो गई है। इतना ही नहीं, अगर कोई अपना फ्लैट/घर वंचित जातियों के लोगों को किराए पर देने की कोशिश करता है,**

शहरी भारत में लोग आज ह्यकुमारह्न जैसे अस्पष्ट उपनाम वाले या बिना उपनाम वाले व्यक्तियों की जाति जानने के लिए पहले से कहीं ज्यादा उत्सुक हो गए हैं। राष्ट्रीय प्रतिनिधि सैम्पल के साथ बड़े पैमाने पर राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के साक्ष्य भी भारत में निचली जातियों के खिलाफ पूर्वाग्रह की एक मजबूत भावना का संकेत देते हैं। एक तिहाई भारतीयों का मानना है कि दलित और आदिवासी अभी तक मुख्यधारा के अन्य वर्गों के बराबर नहीं आ पाए हैं, क्योंकि वे इसके लिए प्रयास नहीं करते हैं। या कि वे कड़ी मेहनत नहीं करना चाहते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो मानते हैं कि इसका कारण मेहनत की कमी नहीं बल्कि अवसरों से वंचित होना है। सर्वेक्षण में दलित और आदिवासी समुदायों से वास्ता रखने वाले कई युवाओं ने दैनिक जीवन में भेदभाव का सामना करना स्वीकार किया। ऐसे लोग भी हैं, जो त्वचा के रंग, आर्थिक वर्ग, क्षेत्र, अंग्रेजी बोलने की अक्षमता आदि के कारण भेदभाव का सामना करते हैं। लेकिन निचली जाति से संबंधित होने के कारण भेदभाव का सामना करना आज भी इनसे अधिक प्रचलित है।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

एआई जिंदगी की कई मुश्किलें हल कर सकता है

कल्पना करें, आप किसी परिचित की तबीयत पूछने अस्पताल गए हैं, जो कि बीती रात से आईसीयू में भर्ती हैं। आप देख पा रहे हैं कि वहां एक बड़ी कांच की दीवार के पार वार्ड में सभी मरीज लेटे हैं और एक नर्स इधर-उधर घूम रही है। आपके मन में सवाल आता है कि एक नर्स इतने मरीजों की देखभाल कैसे कर सकती है? लेकिन आप थोड़ा गलत हैं। वह नर्स सिर्फ मरीजों से आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखने के लिए घूम रही है। असल में, वहां हर मरीज की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए रियल टाइम में हो रही है। हर बेड एक कॉन्टैक्टलेस और निरंतर निगरानी प्रणाली से जुड़ा हुआ है।

सिर्फ वही नहीं, यह वार्ड भी एआई-पावर्ड रिमोट-स्क्रीनिंग सिस्टम से जुड़ा है, जिसे अर्ली वार्निंग सिस्टम (ईडब्ल्यूएस) कहते हैं। यह ईडब्ल्यूएस नर्सों (स्वास्थ्यकर्मी) को मरीजों के महत्वपूर्ण पैरामीटर जैसे हृदय गति, श्वसन दर, रक्तचाप, रढड2 स्तर, तापमान व एउऋ को दूर से मॉनिटर करने की सुविधा देता है। ये प्रणाली 24 घंटे इन पैरामीटर्स पर नजर रखती है, ट्रेंड ट्रैक करती है और मॉनिटरिंग रूम में स्वास्थ्यकर्मियों को रियल-टाइम अलर्ट जारी करती है, जिससे वे त्वरित हस्तक्षेप कर सकें। ईडब्ल्यूएस के माध्यम से, ये स्वास्थ्यकर्मी अब एआई-सक्षम प्रणाली से लैस हैं, जो प्रत्येक मरीज की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करती है और क्लिनिकल गिरावट का पता लगाती है, जिससे समय पर हस्तक्षेप और आपात स्थितियों की रोकथाम संभव हो पाती है।

इसके अलावा, उनके पास एआई द्वारा दिए गए अलर्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए एक क्विक रिस्पॉन्स टीम भी है, क्योंकि मरीजों की स्क्रीनिंग एआई के जरिए रियल-टाइम में की जा रही है।ये दृश्य कोलकाता के चार्नोक अस्पताल का है, जहां के इमरजेंसी हेड निशांत अग्रवाल चाहते हैं कि सभी गैर-आईसीयू बेड भी एआई अलर्ट कवरेज में आ जाएं, ताकि मानवीय त्रुटियां पूरी तरह से रोकी जा सकें। वुडलैंड्स हॉस्पिटल सारा काम ह्यहॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचआईएस)ह्न पर कर रहा है, नारायणा हॉस्पिटल्स में एआई-संचालित केयर पाथवे प्रोग्राम है और कई अस्पताल एआई का प्रयोग मरीजों के पैरामीटर्स ट्रैक करने, ऑनलाइन ओपीडी बुकिंग व भुगतान सुविधा में करते हैं, जिससे काउंटर पर भीड़ खत्म हो सकती है। मणिपाल हॉस्पिटल नेट-वर्क अस्पतालों में एचआईएस का प्रयोग कर रहा है।

उन्होंने फुजीफिल्म के साथ एआई-सक्षम पिक्चर आर्काइविंग और कम्युनिकेशन सिस्टम को एकीकृत किया है, ताकि डायग्नोस्टिक दक्षता को बढ़ावा दें सकें। वे दावा करते हैं कि उन्होंने जेमिनी एआई प्लेटफॉर्म पर भारत का पहला एआई-संचालित नर्स हैंडओवर प्रोजेक्ट चलाया है व आईसीयू के लिए एआई-सक्षम स्टेप डाउन सिस्टम भी पेश किया है। एआई इस समय का सबसे अच्छा टूल है जो हमें उन मुद्दों से निपटने में मदद कर सकता है जो हमारे नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं, चाहे वह हॉस्पिटल्स में मरीजों की बढ़ती संख्या को मैनेज करना हो या कुछ स्थानों पर चोरी आदि को रोकना। अब दक्षिण भारत में अवैध खनन की समस्या लें। पेरूर व कोयंबटूर उत्तर तालुका में अवैध लाल मिट्टी खनन को रोकने के लिए जल्द ही 200 से अधिक एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तमिलनाडु व केरल सीमा के बीच सभी चेक पोस्ट पर नजर रखने व अवैध रेत तस्करी रोकने के लिए, तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम ने ग्रामीण पुलिस से राजस्व विभाग व भूविज्ञान और खनन विभाग की मदद से पेरूर- कोयंबटूर के बीच सभी महत्वपूर्ण जंक्शनों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए कहा है। अधिकारी अब इन एआई-सक्षम इकाइयों से निगरानी के लिए ड्रोन सर्वे कर रहे हैं। इस प्रकार सभी प्रमुख जंक्शनों और महत्वपूर्ण रास्तों को एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरों से कवर किया जाएगा, जो कि 24/7 निगरानी करेंगे। फंडा यह है कि हमें किसी भी समस्या को एआई की मदद से हल करने की मानसिकता विकसित करनी होगी, क्योंकि यह हम इंसानों द्वारा विकसित बेस्ट टेक्नोलॉजी टूल में से एक है। एआई की ताकत को कभी कम मत आंकिए।

एडिट.नोट

रुचिर शर्मा - लेखक

हाई टैरिफ दुनिया में उभर रहे हैं नए विजेता और पराजित

ट्रेड-वॉर ने जो अफरातफरी मचाई है, उसकी धूल अभी जमी नहीं है, और ट्रम्प के रहते शायद कभी न जमे। लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के बाद के दौर में अमेरिका के नेतृत्व वाली कम टैरिफ वाली दुनिया में अब वापसी मुमकिन नहीं। प्रभावी अमेरिकी टैरिफ दर 10 प्रतिशत से कहीं अधिक रहने की संभावना है, जो पिछले साल तक प्रचलित 2.5 प्रतिशत की दर से कहीं अधिक है। इसलिए समय आ गया है कि हाई टैरिफ वाली हमारी नई दुनिया की मैपिंग शुरू कर दी जाए। अमेरिका की ट्रेड-आक्रामकता ने पहले ही घरेलू व्यवसायों और वैश्विक निवेशकों के बीच काफी संदेह पैदा कर दिया है। इससे लंबे समय से स्थापित आपूर्ति श्रृंखलाओं और पूंजीगत प्रवाह में बुनियादी बदलावों का दौर शुरू होगा। सबसे बड़ा नुकसान वैश्वीकरण की सबसे बड़ी लाभार्थियों यानी अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को होने की संभावना है। हाल के दशकों में जैसे-जैसे व्यापार और पूंजी की बाधाएं कम होती गई हैं, अमेरिकी कॉर्पोरेट्स ने अपने देश की तुलना में विदेशों में बहुत तेजी से मुनाफा बढ़ाया है।

1960 के दशक से ही एसएंडपी500 कंपनियों के लिए लाभ का मार्जिन स्थिर रहा था। फिर 2000 के बाद यह लगभग दोगुना होकर लगभग 13 प्रतिशत हो गया। चीन ने भी इसी दौर में डब्ल्यूटीओ में प्रवेश किया था। कई अमेरिकी दिग्गजों ने अमेरिकी ब्रांड्स की लोकप्रियता का लाभ उठाकर और सस्ती लागत वाले देशों को उत्पादन आउटसोर्स करके अपने विकसित प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं अधिक लाभ कमाया।आज अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने राजस्व का 40% से अधिक विदेशों में कमा रही हैं। सबसे अधिक लाभ मैन्युफैक्चरर्स को हुआ, जो अपने कर्मचारियों को विदेशों में घरेलू कर्मचारियों की तुलना में औसतन 60% कम भुगतान करते हैं। अब अमेरिकी कारोबारी विदेश में नई फैक्टरियां स्थापित करने से पहले दो बार सोचेंगे और मुनाफे को अधिकतम करने के अपने दोटूक तर्क से प्रेरित नहीं होंगे। विशेष रूप से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपने मुनाफे के मार्जिन पर लगातार दबाव का सामना करना पड़ेगा।

टैरिफ-नीति पर गुस्से के चलते ह्यमेड इन अमेरिकाह्न अब ग्राहकों से ज्यादा विवादों को आकर्षित कर रहा है। दो तिहाई जर्मन आज कहते हैं कि वे अमेरिकी उत्पादों से परहेज कर रहे हैं। स्वीडन और फ्रांस में सोशल मीडिया पर अमेरिकी उत्पादों का बायकॉट किया जा रहा है। कनाडा की नाराजगी का तो कोई पारावार नहीं। वहां के उपभोक्ता अमेरिकी के बजाय जापानी व्हिस्की की ओर रुख कर रहे हैं, अमेरिकी स्ट्रीमिंग सेवाएं रद्द कर रहे हैं और वहां की यात्राएं रद्द कर रहे हैं। ऐसे में ऐसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है जिसमें अमेरिका इस टैरिफ-युद्ध के बाद विजेता के रूप में उभरे। यह जरूर हो सकता है कि अमेरिका अपने कुछ उद्देश्यों को प्राप्त कर ले, जैसे कि फैक्टरियों में अधिक नौकरियां पैदा करना और कथित रूप से अनुचित ट्रेड-भागीदारों को दंडित करना। लेकिन इसके बावजूद ऊंची कीमतों, कम दक्षता और नीति-निर्माण की विश्वसनीयता को पहुंची क्षति से अमेरिका को होने वाला नुकसान किसी भी लाभ से अधिक ही होगा।

बड़ी अमेरिकी कंपनियों से मिलने वाले असाधारण मुनाफे और ग्रोथ से मंत्रमुग्ध हो चुके निवेशकों को जल्द ही एक देश में इतनी पूंजी केंद्रित करने की अपनी मूर्खता का एहसास होने लगा है। इस दशक में अब तक अमेरिका ने दुनिया भर के शेयर बाजारों में प्रवाहित होने वाले धन के 80 प्रतिशत को अपनी ओर आकर्षित किया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। दुनिया भर के संस्थागत निवेशक तेजी से अपने अमेरिकी जोखिम को कम कर रहे हैं। इससे भारत या ब्राजील जैसी उभरती हुई इकोनॉमी को लाभ हो सकता है, जहां एक बड़ा घरेलू बाजार उनके जीडीपी का 70 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा है और वह व्यापार युद्धों से सुरक्षा प्रदान करता है। निर्यात-आधारित विकास मॉडल का बचाव करने के लिए कई देश अब एक साथ आ रहे हैं। जापान ट्रम्प-टैरिफ के लिए संयुक्त प्रतिक्रिया के बारे में दक्षिण कोरिया और चीन से बात कर रहा है। इस बीच, चीन और भारत ने अमेरिकी ट्रेड-वॉर के प्रभाव को कम करने को लेकर सहयोग करने के बारे में आवाज उठाई है। लैटिन अमेरिका में, ब्राजील अपने संरक्षणवादी आवेगों को त्याग रहा है और यूरोप के साथ एक नए सौदे पर तेजी से काम कर रहा है। वह चीन से भी व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। अमेरिका से अपने आयात को कम करने के लिए चीन ने हाल ही में ब्राजील से भारी मात्रा में सोयाबीन खरीदा है।

बिजनेस

गोल्ड का नया रिकॉर्ड, 1 लाख हुआ

112 दिन में 23,838 महंगा हो चुका है, इस साल 1.10 लाख तक जा सकते हैं दाम

नई दिल्ली। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज यानी, मंगलवार 22 अप्रैल को सराफा बाजार में पहली बार 1 लाख रुपए पर पहुंच गया। इधर, चांदी की कीमत 342 गिरकर 95,900 प्रति किलो हो गई है। सोमवार को चांदी का भाव 96,242 प्रति किलो था। चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 93,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,500 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 92,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है। भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 92,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपए है।

सोने में तेजी के 3 कारण

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी के कारण ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। इससे इकोनॉमी के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। ग्लोबल मंदी की आशंका भी बढ गई है। ऐसे में लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। मंदी के समय सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से सोने की कीमतों में तेजी आई है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रुपया कमजोर होता है तो इसे इंपोर्ट करने में ज्यादा पैसे खर्च होते हैं। इस साल रुपए में लगभग 4% की गिरावट आई है, जिससे सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। शादियों का मौसम शुरू हो गया है, ऐसे में सोने के गहनों की मांग बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली और चेन्नई जैसे शहरों में ज्वेलर्स ने बताया कि ऊंची कीमतों के बावजूद बिक्री में तेजी है, क्योंकि लोग सोने को निवेश और समृद्धि के प्रतीक के रूप में देखते हैं।इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक यानी, 112 दिन में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 23,838 रुपए बढ़कर 1 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,883 रुपए बढ़कर 95,900 रुपए पर पहुंच गया है।अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

1947 में जब देश आजाद हुआ था तक सोना 88.62 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 1 लाख पर है। यानी तब से लेकर अब तक सोना 1127 गुना (112741%) महंगा हो चुका है। 1947 में चांदी का भाव करीब 107 रुपए किलो था और अब ये 95,900 रुपए पर है।हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी लवकळ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

सेंसेक्स 187 अंक ऊपर 79,596 पर बंद: निफ्टी 24,167 पर बंद, इंडसइंड बैंक का शेयर 4.73% गिरा

मुंबई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 22 अप्रैल को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 187 अंक चढ़कर 79,596 पर बंद हुआ। निफ्टी में 42 अंक की तेजी रही, ये 24,167 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में रही। क्ळउ, लवछ, ट&ट, लउऋ बैंक और जोमैटो में 2.50% तक चढ़कर बंद हुए। इंडसइंड बैंक का शेयर 4.73% गिरा। वहीं, पावर ग्रिड, एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फिनसर्व और अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2.3% तक गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 गिरकर बंद हुए। हालांकि, ठरए के सेक्टोरल इंडाइसेस में रियल्टी में 2.42%, में 1.89%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.50%, निफ्टी हेल्थकेयर में 0.80% और सरकारी बैंक में 0.75% की तेजी रही।21 अप्रैल को अमेरिका का डाउ जोन्स 972 अंक (2.48%), नैस्डेक कंपोजिट 416 अंक (2.55%) और र&ढ 500 इंडेक्स 125 अंक (2.36%) गिरकर बंद हुए।

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई और कोरिया के कोस्पी में मामूली गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25% ऊपर 3300 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.78% चढ़कर 21,562 पर बंद हुआ। 21 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 1,970.17 करोड़ और भारतीय यानी घरेलू निवेशकों (उऋकर) ने 246.59 करोड़ रुपए के नेट शेयर खरीदे। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार 21 अप्रैल को सेंसेक्स 900 अंक से ज्यादा चढ़कर 79,450 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 300 अंक की तेजी है, ये 24,150 के स्तर पर है। बैंक निफ्टी नए रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। ये 1000 अंक चढ़कर 55,000 के पार पहुंच गया है। बैंकिंग के अलावा आज क्ळ और मेटल शेयर्स में भी बढ़त है। इंडसइंड बैंक और टेक महिंद्रा में 4% से ज्यादा की तेजी है।10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज यानी, मंगलवार 22 अप्रैल को पहली बार 1 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रइक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

10 साल से बड़े बच्चे खुद चला सकेंगे बैंक अकाउंट:अभी माता-पिता ऑपरेट करते हैं

नई दिल्ली। अब 10 साल से बड़े बच्चे खुद से सेविंग्स या टर्म डिपॉजिट अकाउंट खोल और ऑपरेट कर सकते हैं। फइक ने बैंकों को इसकी अनुमति दे दी। हालांकि, बैंक इसके लिए अपनी रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी के अनुसार शर्तें तय कर सकते हैं। फइक ने बैंकों से 1 जुलाई 2025 तक इन नए नियमों के मुताबिक अपनी पॉलिसी तैयार करने या फिर मौजूदा नियमों में बदलाव करने को कहा है। अब तक किसी भी उम्र के बच्चे अपने माता-पिता या कानूनी अभिभावक (गार्जियन) के जरिए सेविंग्स या टर्म डिपॉजिट अकाउंट खोल सकते थे, पर ऑपरेट अभिभावक ही करते थे।

बैंक तय कर सकेंगे विड्राल लिमिट

10 साल या इससे बड़ी उम्र के बच्चे अपने अकाउंट को खुद ऑपरेट कर सकेंगे। लेकिन बैंक अपने नियमों के अनुसार कुछ लीमिट तय करेंगे, जैसे कि कितना पैसा जमा कयि या निकाला जा सकता है। एक बार में कितना पैसा निकाला जा सकेगा। बैंक बच्चों को इंटरनेट बैंकिंग, अळट / डेबिट कार्ड और चेकबुक जैसी सुविधाएं दे सकते हैं। लेकिन यह उनके रस्कि पर निर्भर करेगा। 18 साल का होने पर करने होंगे नए साइन जब बच्चा 18 साल का हो जाएगा तो बैंक को उससे नए साइन लेने होंगे। अगर अकाउंट अभिभावक चला रहे थे तो बैलेंस की पुष्टि की जाएगी। इसके अलावा अकाउंट होल्डर को नए नियमों की जानकारी भी दी जाएगी।

बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट पेरेंट्स के कंट्रोल में होता है, और बच्चे का नाम को-अकाउंट होल्डर के रूप में जोड़ा जाता है। 18 साल या इससे ज्यादा की उम्र होने पर बच्चे के नाम पर पूरी तरह से बैंक अकाउंट या टर्म डिपॉजिट अकाउंट ट्रांसफर किया जा सकता है।

कुछ बैंक अभी भी स्पेशल बैंक अकाउंट स्कीम जैसे कि रइक पहला कदम खाता या लउऋ किड्स एडवांटेज अकाउंट खोलने की सुविधा देते हैं।

जबलपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए 'विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम में भाग लेते छात्र।

5 न्यूज

पोप फ्रांसिस के निधन पर राजकीय शोक घोषित

भोपाल। राज्य शासन ने पोप फ्रांसिस के निधन पर 2 दिवस का राजकीय शोक घोषित किया है। यह शोक 22 अप्रैल 2025 (मंगलवार) और 23 अप्रैल 2025 (बुधवार) को रहेगा। इसके अलावा, अंतिम संस्कार के दिन भी एक दिन का राजकीय शोक होगा, जिसकी तिथि अलग से सूचित की जाएगी। राजकीय शोक में प्रदेश में उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। इस अवधि में कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगें।

भीषण गर्मी की वजह से स्कूलों में ग्रीष्मकालीन छुट्टी घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती गर्मी और लू को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने स्कूलों की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में संशोधन करते हुए अब 25 अप्रैल से 15 जून तक अवकाश घोषित कर दिया है। पहले यह छुट्टी 1 मई से 15 जून तक निर्धारित थी। शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों पर लागू होगा, हालांकि यह शिक्षकों पर लागू नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने आदेश के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए छात्रों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सभी शासकीय एवं गैर शासकीय स्कूलों में 25 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा की गई है। सभी बच्चों से आग्रह है कि तेज धूप से बचें, भरपूर पानी पिएं, घर पर रहकर रचनात्मक गतिविधियों में भाग लें एवं छुट्टियों का आनंद लें।

मुख्यमंत्री ने यूपीएससी में चयनित युवाओं को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संघ लोक आयोग के घोषित परिणामों में प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं का चयन गर्व का विषय है। यह परिणाम बताते हैं कि युवाओं ने शासकीय सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चयनित युवाओं को बधाई दी है।

हम सब मिलकर पृथ्वी को हरा-भरा और सुंदर बनाएं : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए संक ल्पित होने का अवसर देता है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि श्यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो यस्यामन्नं कृष्टयः संबभुवुः। यस्यामिदं जिन्वति प्राणदेजत्सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु ॥ यह वैदिक मंत्र पृथ्वी की महानता और सबके लिए उसके पोषक स्वरूप का भान कराता है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक पौध-रोपण करें और पृथ्वी को हरा-भरा व सुंदर बनाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पृथ्वी हमारी जननी है, इसका संरक्षण हमारा धर्म है। आइए, हम सब मिलकर हमारी अपनी धरती को फिर से हरियाली से भर दें।

जिला शिक्षा अधिकारी निलंबित

इंदौर। जनसुनवाई की अवहेलना करने पर कठोर रुख अपनाते हुए कलेक्टर श्री आशीष सिंह के प्रस्ताव पर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी इंदौर श्रीमती सुषमा वैश्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यों के सुचारु संचालन किये जाने हेतु कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मंडलोई को जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कामकाज की समीक्षा...

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निदेशों पर हुआ अमल

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है और इसकी गहन निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में हैंडपंपों की मरम्मत के लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत तेजी से कार्य हुए हैं और अब तक 86 मोबाइल यूनिट्स के माध्यम से 11,238 हैंडपंपों की मरम्मत पूरी की जा चुकी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जहाँ भी पेयजल से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहाँ तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की गहन समीक्षा बैठक ली और प्रदेश में पेयजल की उपलब्धता, भूजल स्तर, जल जीवन मिशन की प्रगति और जल संरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सरगुजा में पीएचई विभाग का मुख्य अभियंता परिक्षेत्रीय कार्यालय खोलने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल जीवन मिशन केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर घर नल से जल पहुँचाने का बड़ा संकल्प लिया है। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को उन्होंने समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की आगामी वर्षों की कार्ययोजना की भी समीक्षा की। श्री साय ने कहा कि भूजल स्तर में गिरावट से प्रभावित विकासखंडों के साथ-साथ बिना जल स्रोत वाले ग्रामों की सूची भी तैयार करें, ताकि इसे दूर करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

सरगुजा में खुलेगा पीएचई के मुख्य अभियंता का परिक्षेत्रीय कार्यालय

श्री साय ने भूजल संकट से जूझ रहे 6 जिलों के 10 विकासखंडों को लेकर चिंता जताई और कहा कि अल्पकालिक व दीर्घकालिक योजनाएं बनाकर जल संकट से निपटना होगा।

उन्होंने रिचार्ज पिट और वर्षा जल संचयन जैसी जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा देने की बात कही और अनियंत्रित भूजल दोहन पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कृषि, जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और वन विभागों को आपसी समन्वय के साथ कैच द रेन जैसे जल संरक्षण अभियानों को सुशासन तिहार के दौरान व्यापक रूप से प्रचारित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि जल जीवन का आधार है और इसके संरक्षण को हम सभी सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मुकेश बंसल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद अब्दुल कैसर हक, संचालक जल जीवन मिशन श्री जितेंद्र शुक्ला सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

वन्य जीव संरक्षण में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए विशेष ईको सिस्टम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मई महीने में मध्यप्रदेश को बोत्सवाना से मिल सकते हैं चार चीते

संवाददाता न्यूज ● रायपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर स्थित गांधीसागर अभयारण्य में मध्यप्रदेश की धरती पर जन्में चीतों की शिफ्टिंग को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह अभयारण्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। मध्यप्रदेश में चीतों के आवास एवं विचरण के लिए सर्वाधिक अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। कूनो नेशनल पार्क से राज्य में दूसरे स्थान पर चीतों को ले जाकर पुनर्वास करना वन्य-प्राणी संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। गांधी सागर अभयारण्य में छोड़े गए चीते पावक और प्रभाष को वहाँ की आबो-हवा और नया परिवेश पसंद आया है और दोनों आनंद के साथ जंगल में स्वच्छंद विचरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को वन्य जीवों के संरक्षण में अग्रणी बनाने के लिए विशेष ईको सिस्टम विकसित करने के लिए संकल्पित है। मध्यप्रदेश बाघों की संख्या में शीर्ष पर है और इसे टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। इसी के साथ राज्य में लेपर्ड (तेंदुए) भी सर्वाधिक हैं। राज्य सरकार सभी विलुप्तप्राय जीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में चीतों के पुनर्वास को एशिया महाद्वीप की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से वन्य-प्राणियों के संरक्षण में साझेदार बनने के साथ 'जियो और जीने दो' की भावना से कार्य करने का आह्वान किया है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गत 20 अप्रैल 2025 को मध्यप्रदेश में कूनो नेशनल पार्क में जन्में दो चीते पावक और प्रभास को उनके नए घर गांधीसागर अभयारण्य में मुक्त विचरण के लिए छोड़ा है। मई महीने में मध्यप्रदेश को बोत्सवाना से चार चीते मिल सकते हैं।

24 हजार लीटर की अवैध शराब पर चला पुलिस का बुलडोजर

कार्रवाई

उज्जैन। मध्य प्रदेश की उज्जैन पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। 24,000 लीटर अवैध शराब को बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। इसकी कीमत 50 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्षों से थानों में रखी जब्त अवैध शराब को नष्ट किया। करीब सात थानों से जुड़े 107 मामलों की लगभग 24 हजार लीटर अवैध शराब को ट्रेंचिंग ग्राउंड में ले जाकर बुलडोजर चलाकर इसे खत्म किया गया। एसपी प्रदीप शर्मा प्रदीप शर्मा ने बताया कि, 107 प्रकरण की 24 हजार लीटर शराब को आज नष्ट किया गया। इसमें अंग्रेजी देसी सभी तरह के मिक्स शराब है। यह शराब कई वर्षों से विभिन्न थानों में जब्त कर रखी थी।

फांसी लगाकर बुजुर्ग दंपति ने की खुदकुशी

आत्महत्या

जबलपुर। जिले से आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बुजुर्ग दंपति के लिए बीमारी जी का जंजाल बन गई। जिससे तंग आकर दोनों ने मौत को गले लगा लिया। इस घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। जबकि पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। यह घटना मझगवां थाना क्षेत्र के सिंगुली गांव की है। दरअसल, सुबह जब बुजुर्ग दंपति कमरे से काफी देर तक बाहर नहीं निकले तो उसके लड़के ने दरवाजा तोड़कर अंदर गया और उसकी आंखे फटी के फटी रह गई। क्योंकि दंपति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। घटना की जानकारी मिलते ही मझगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दंपति के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने पर कड़ी कार्रवाई

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को किया निलंबित

संवाददाता न्यूज ● इंदौर

जिले में जनसुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। श्री सिंह द्वारा आज आयोजित जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुषमा वैश्य को निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। ज्ञात हो कि सोमवार को सम्पन्न हुई अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने सभी शासकीय अधिकारियों को जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि अधिकारी आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनें और त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में कुल 250 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश आवेदन प्लॉट विवाद, संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद से जुड़े थे। कलेक्टर श्री सिंह ने कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। शेष प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी प्रदान की गई। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दुबारा परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अन्य विभागीय अधिकारी एवं अपर कलेक्टर भी उपस्थित रहे उन्होंने भी नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना तथा निराकरण किया।

निलंबित

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने रायपुर के बिजनेसमैन को मारी गोली

संवाददाता न्यूज ● रायपुर

हमला

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक व्यापारी के घायल होने की खबर सामने आई है। रायपुर के समता कॉलोनी निवासी बिजनेसमैन दिनेश मिरानिया इस हमले में गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार दिनेश मिरानिया अपने परिवार के साथ जम्मू-कश्मीर यात्रा पर गए हुए थे। उसी दौरान वे आतंकी हमले की चपेट में आ गए। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब

आतंकियों ने पर्यटकों के एक ग्रुप पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यह हमला उस समय हुआ, जब कई पर्यटक घुड़सवारी का आनंद ले रहे थे। आतंकवादियों ने घोड़ों पर सवार पर्यटकों को निशाना बनाते हुए करीब 3 से 5 मिनट तक गोलियां बरसाई. इस हमले में 6 पर्यटक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले के बाद आतंकी मौके से फरार हो गए। घायलों को आनन-फानन में अनंतनाग जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस हमले में कुछ घोड़े भी घायल हुए हैं जिन्हें गोलियां लगी हैं। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। भारतीय सेना की विक्टर फोर्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सीआरपीएफ और अन्य एजेंसियां मिलकर आतंकियों की तलाश में जुट गई हैं। साथ ही घटनास्थल पर सीआरपीएफ की क्विक रिएक्शन टीम को भी भेजा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले को गंभीरता से लेते हुए गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने शाह को घटनास्थल पर भेजे जाने की भी बात कही है। इस बीच अमित शाह ने आपात बैठक बुलाई है जिसमें गृह मंत्रालय, आईबी और जम्मू-कश्मीर के अधिकारी शामिल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये संशोधनों को मंजूरी >>

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

संवाददाता न्यूज ● भोपाल

मंत्रि-परिषद बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये संशोधनों को मंजूरी दी गई। योजना अंतर्गत कन्या तथा कन्या के अभिभावक गरीबी रेखा के नीचे जीवन निर्वाह करते हों, साथ ही इनका बी.पी.एल. पोर्टल पर सत्यापन अनिवार्य होगा। कन्या विवाह तथा निकाह सम्मेलन के लिये संभागवार वार्षिक चक्रीय रूप से कैलेण्डर जारी कर सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। संभागवार जिलों में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सम्मिलित विवाह जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 एवं अधिकतम 200 जोड़ों की निर्धारित की गयी है। योजना में सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलनों में प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी पूर्व अनुसार निकाय स्तर पर की

जायेगी। पात्र/अपात्र एवं समग्र पोर्टल पर वर-वधू की आधार ई- केवायसी अनिवार्य होगा। सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के लिये शासन की ओर से मिलने वाले आर्थिक लाभ को सार्थक बनाने का प्रयास करते हुये आयोजन में जन-प्रतिनिधियों एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर समाज के संपन्न और सक्षम व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त किया जायेगा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना में प्रति कन्या राशि 55 हजार रुपए में से वधू को राशि रुपए 49 हजार का एकाउन्ट पेयी चेक और शेष 6 हजार रुपये सामूहिक विवाह समारोह आयोजन के लिए संबंधित निकाय को प्रदाय किया जायेगा। सहायता राशि रुपये 49 हजार डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डी.बी.टी.) के माध्यम से वधू के खाते में एवं शेष 6 हजार रुपए आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय के लिए प्रदाय की जायेगी।

मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2027-28 के लिए नवीन योजना टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों के विकास" के लिए 145 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गयी। इस योजना में बफर क्षेत्रों में संवेदनशील क्षेत्रों में विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इस नवीन योजना में बफर क्षेत्रों में संवेदनशील क्षेत्रों में चेनलिंक फेंसिंग का निर्माण किया जाएगा। वन्य प्राणियों की सुरक्षा एवं अग्नि सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। चारागाहों एवं जल स्त्रोतों का विकास किया जाएगा। वन्य प्राणियों का उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। नागरिकों के कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश से 9 टाइगर रिजर्व से लगे बफर क्षेत्रों में विगत 4 वर्षों में टाइगर की संख्या 526 से बढ़कर 785 हो गई है।

दैनिक अदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम !! सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 23 अप्रैल, 2025

‘डॉन 3’ से कियारा बाहर

रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म डॉन 3 को लेकर लंबे समय से चर्चाओं का बाजार गर्म है। खासतौर पर लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के मूवी से बाहर होने की वजह से सुर्खियां तेज हुई हैं। अब खबर आ रही है कि मेकर्स को डॉन 3 के लिए एक और नई एक्ट्रेस मिल गई है जो फिल्म में अहम किरदार निभाएंगी। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद सुपरस्टार रणवीर सिंह बड़े पर्दे से दूरी बनाए हुए हैं। लेकिन उनकी आने वाली फिल्म डॉन 3 आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है। जिसकी वजह मूवी की स्टार कास्ट है।

शरवरी वाघ लेंगी जगह

हाल ही में ये खबर सामने आई थी कि डॉन फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त से एक्ट्रेस कियारा आडवाणी का पत्ता कट गया है और उनकी जगह शरवरी वाघ लेंगी। लेकिन अब एक खबर सामने आ रही है कि बी टाउन की इस सुपरस्टार को रणवीर की डॉन 3 में दूसरी एक्ट्रेस के तौर पर साइन किया गया है। बता दें कि बीते साल निर्माता फरहान अख्तर की तरफ से डॉन 3 की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई थी। इस फ्रेंचाइजी से शाह रुख खान को हटाए जाने को लेकर खूब चर्चा हुई थी। अब हाल ही में कियारा आडवाणी को फिल्म से बाहर किए जाने को लेकर भी सुर्खियां तेज हुईं।

कीर्ति सेनन भी लीड रोल में

इस तरह से डॉन 3 में आपको रणवीर सिंह के साथ शरवरी वाघ और कीर्ति सेनन लीड रोल में दिखाई देंगी। अगर ऐसा होता है तो यकीनन तौर पर डॉन 3 के हिट होने के चांसेस काफी बढ़ सकते हैं। क्योंकि कीर्ति का पिछला बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड देखा जाए तो वह शानदार है। उनकी पिछली फिल्में तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और क्रू बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं।

अगले साल रिलीज होगी

डॉन 3 के शूटिंग शेड्यूल को लेकर भी बीच-बीच में खबरें आई हैं और बताया गया है कि इस साल के अंत तक फिल्म की शूटिंग का काम पूरा हो जाएगा।इसके बाद पोस्ट प्रोडक्शन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। ऐसे में अगले साल क्रिसमस 2026 तक डॉन की तीसरी किस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

मुस्लिम होकर मंदिर जाने पर नुसरत भरूचा सुर्खियों में

मुस्लिम होकर मंदिर जाने पर एक्ट्रेस नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी फिल्म ‘छोरी 2’ को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के साथ-साथ वह अपनी निजी औरआध्यात्मिक सोच को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने धर्म, आस्था और आध्यात्मिक यात्रा के बारे में कई खुलासे किए, जिससे उनके फैंस एक बार फिर उनकी सोच से प्रभावित हो गए।

ट्रोल एक्ट्रेस ने दिया खुलकर जवाब

नुसरत ने बताया कि मैंने तो 16 शुक्रवार के व्रत भी किए। नुसरत भरूचा ने बताया कि वह भले ही वह मुस्लिम हैं, लेकिन उनकी महादेव पर अटूट आस्था है और उन्होंने संतोषी माता के 16 शुक्रवार के व्रत भी किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें न्यूमरोलॉजी में बहुत यकीन है। इसीलिए उन्होंने अपने नाम में बदलाव किया था। उन्होंने बताया कि मैं बचपन से ही मंदिर जाती रही हूं। गुरुद्वारा और चर्च भी गई हूं। जहां भी आपको शांति मिले, चाहे वह मंदिर हो, गुरुद्वारा हो या चर्च हो, आपको वहां जाना चाहिए। मैं यह भी खुलेआम कहती हूं। मैं नमाज़ पढ़ती हूं। अगर मुझे समय मिलता है, तो मैं दिन में पांच बार प्रे करती हूं। यहां तक कि मैं ट्रैवलिंग के दौरान अपनी प्रेयर मैट भी साथ लेकर जाती हूं।

ईश्वर एक है उससे जुड़ने के रास्ते अनेक

नुसरत ने आगे कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि ईश्वर एक है और उससे जुड़ने के अलग-अलग रास्ते हैं। और मैं उन सभी रास्तों को तलाशना चाहती हूं।’एक्ट्रेस ने आगे कहा, ‘मैंने तो 16 शुक्रवार के व्रत भी किए थे। मेरा बहुत मन था कि मैं केदारनाथ और बद्रीनाथ दोनों जगह जाऊं। मैं वहां दर्शन के लिए जाना चाहती थी। वहां जाकर भगवान शिव के आगे माथा टेकना चाहती थी। आशीर्वाद लेना चाहती थी और मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मैं ऐसा कर पाई। जब आपकी किसी चीज में आस्था होती है तो ये आपकी आत्मा को भी छू जाता है और इस एहसास को बयां नहीं किया जा सकता।

इच्छाधारी नाग बनकर डराएंगे कार्तिक आर्यन

‘आशिकी 3’ की रिलीज से पहले एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपनी एक नई फिल्म का अनाउंसमेंट कर दिया है। अब कार्तिक आर्यन नाग बनकर लोगों को डराते नजर आएंगे।’नागजिला’ के फर्स्ट लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने फैंस को एक गुड न्यूज दी है। दरअसल उन्होंने अपनी बेहद ही अनोखे अंदाज में अपकमिंग फिल्म का अनाउंसमेंट किया है।

नागपंचमी पर रिलीज होगी रिलीज़

अब कार्तिक भूत-प्रेत नहीं बल्कि इच्छाधारी नाग बनकर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाएंगे। कार्तिक की इस फिल्म का नाम है ‘नागजिला’। एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का फर्स्ट लुक और रिलीज डेट अनाउंस की है। ‘नागजिला’ के इस मोशन पोस्टर में कार्तिक आर्यन शर्टलेस नजर आ रहे हैं और उनके आसपास खूब सारे नाग रेंग रहे हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन ने यह भी बताया कि ‘नागजिला’ मूवी नागपंचमी के मौके पर रिलीज होगी।

अक्षय कुमार की ‘केसरी 2’ को अच्छा रिस्पॉन्स

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार सिर्फ सिनेमाई पर्दे के खलाड़ी नहीं हैं, बल्कि वे कमाई के मामले में भी कमाल हैं। इधर एक ओर जहां उनकी फिल्म ‘केसरी 2’ करोड़ों में कारोबार कर रही है, वहीं उन्होंने मुंबई में अपनी एक प्रॉपर्टी बेच दी है। इसके बूते उन्होंने 5 साल में करीब 65% का मुनाफा कमाया है। स्टार एक्टर ने 2020 में खरीदा था ऑफिस। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी फिल्म ‘केसरी चैप्टर 2’ को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म जलियांवाला बाग कांड के बाद ब्रिटिश हुकूमत को कोर्ट में घसीटने वाले वकील सी. शंकरन नायर की कहानी पर बनी है। चार दिनों में इस फिल्म ने देश में 34 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। करीब 2500 करोड़ रुपये की नेट वर्थ के मालिक अक्षय की यह प्रॉपर्टी एक ऑफिस स्पेस है, जिसे उन्होंने 8 करोड़ रुपये में बेचा है। बताया जाता है कि अक्षय कुमार ने करीब पांच साल पहले दिसंबर 2020 में यह प्रॉपर्टी 4.85 करोड़ रुपये में खरीदी थी। अब उन्होंने इसे 8 करोड़ रुपये में बेचा है, जो मूल्य में 64.95% की बढ़ोतरी है।

'सीएसके को जीतने की भूख ही नहीं'

चेन्नई के निराशाजनक प्रदर्शन पर बिफरे रैना

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आईपीएल 2025 में निराशाजनक प्रदर्शन से दुखी हैं। रैना अपने करियर में लंबे समय तक सीएसके का हिस्सा रहे हैं। रैना का कहना है कि सीएसके की मौजूदा टीम में जीत की कोई भूख नहीं है। सीएसके आठ मैचों में दो जीत और छह हार के साथ चार अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर चल रही है। सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें धूमिल हो रही हैं और अगर उसे दौड़ में बने रहना है तो शेष मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं और उनकी अनुपस्थिति में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कमान संभाल रहे हैं। रैना ने कहा, निश्चित रूप से सीएसके सबसे कमजोर टीम है। मुझे लगता है कि कोई इरादा नहीं है, जीतने की भूख नहीं है। किसी का अनादर नहीं करना है, लेकिन सीएसके जिस ब्रांड के लिए जाना जाता है, वह अब नहीं रहा।

सीएसके मेगा नीलामी में प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को नहीं ले सकी। उन्होंने राहुल त्रिपाठी, दीपक हुड्डा, विजय शंकर और रविचंद्रन अश्विन को लिया था। सीएसके ने पिछले दो मैचों से युवाओं को मौका देना शुरू किया। सीएसके ने पिछले मैच में आयुष म्हात्रे को प्लेइंग-11 में जगह दी थी जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था। राज्य से स्थानीय प्रतिभाओं को लाने में सीएसके की इच्छा नहीं जताने पर सवाल उठाते हुए रैना ने कहा, देखिए स्थानीय खिलाड़ी तमिलनाडु प्रीमियर लीग में कैसे खेल रहे हैं। साई सुदर्शन अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, वह गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे हैं। साई किशोर और शाहरुख खान भी गुजरात के लिए खेल रहे हैं। आपको स्थानीय खिलाड़ियों को लाना होगा। जब हम जीत रहे थे, तब हमारे पास मुरली विजय, लक्ष्मीपति बालाजी, बद्रीनाथ, एमएस धोनी, आर अश्विन और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी थे। जब आप स्थानीय खिलाड़ी नहीं लाते हैं, तो यह काम नहीं करता है। सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें धूमिल हो रही हैं और अगर उसे दौड़ में बने रहना है तो शेष मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं और उनकी अनुपस्थिति में महेंद्र सिंह धोनी टीम की कमान संभाल रहे हैं।

राशिद खान ने गुजरात टाइटंस के कैप्टन की तारीफ की

'शुभमन गिल में महान कप्तान बनने के सभी गुण मौजूद'

एजेंसी ● कोलकाता

आईपीएल 2025 में सोमवार को गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर इस सीजन की अपनी छठी जीत दर्ज की। टीम आठ में से छह मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर है। कप्तान शुभमन गिल के 90 रन की बदौलत गुजरात ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी। गिल को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। अब गुजरात से खेलने वाले अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान ने गिल की तारीफ की है और कहा है कि उनमें एक महान कप्तान बनने के सभी गुण हैं।

राशिद खान का कहना है कि आईपीएल में प्रदर्शन का दबाव विश्व कप से अधिक है और गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप में गिल के पास एक बेहतरीन कप्तान के रूप में अपनी साख साबित करने और साहसिक फैसले लेने का शानदार मौका है।राशिद खान का कहना है कि आईपीएल में प्रदर्शन का दबाव विश्व कप से अधिक है और गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप में गिल के पास एक बेहतरीन कप्तान के रूप में अपनी साख साबित करने और साहसिक फैसले लेने का शानदार मौका है। राशिद ने जियो हॉटस्टार की खास सीरीज 'जेन गोल्ड' में कहा, 'एक लीडर के तौर पर गिल का भविष्य बहुत उज्जवल है। केवल एक बल्लेबाज के रूप में ही नहीं बल्कि जिस तरह से वह सोचते हैं और खेल को समझते हैं उसमें भी वह शानदार हैं।'राशिद ने कहा, 'वह एक योजना के साथ मैच में आते हैं। वह बहुत शांत हैं और जब आप उन्हें मैदान पर देखते हैं, जिस तरह से वह टीम, गेंदबाजों को संभालते हैं तो उनमें एक महान लीडर बनने के सभी गुण हैं। वह इतनी बड़ी लीग में कप्तानी कर रहे हैं और यहां दबाव विश्व कप से भी ज्यादा है।' इस 26 वर्षीय लेग स्पिनर ने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर यह उनके लिए दबाव में प्रदर्शन करने और साहसिक फैसले लेने का सबसे अच्छा मौका है।'

साल 2022 में हार्दिक पांड्या के अस्वस्थ होने पर कुछ समय के लिए गुजरात की कप्तानी करने के अपने अनुभव के बारे में राशिद ने कहा कि इससे उन्हें एक लीडर के तौर पर विकसित होने में मदद मिली और इससे उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए और बेहतर प्रदर्शन करने में भी मदद मिली।उन्होंने कहा, 'यह एक सपना सच होने जैसा था। उस अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की, न केवल लीग में बल्कि तब भी जब मैं अफगानिस्तान का नेतृत्व करने के लिए वापस लौटा। मैंने अलग तरह से सोचना शुरू किया।'

राशिद ने कहा, 'चार-पांच साल पहले की तुलना में मेरी मानसिकता में बदलाव आया है। कप्तानी के उस दौर ने मेरी मदद की और 2024 (टी20 विश्व कप) में अफगानिस्तान के सेमीफाइनल तक पहुंचने में भूमिका निभाई। आईपीएल आपको अलग-अलग परिस्थितियों और स्थितियों से रूबरू कराता है जो आपको परखती हैं और एक बेहतर नेतृत्वकर्ता और खिलाड़ी के रूप में आकार देती हैं।' राशिद ने कहा कि टी20 प्रारूप में गेंदबाजों के लिए स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है क्योंकि बल्लेबाज अब हाई रिस्क वाले शॉट खेलने से नहीं हिचकिचाते।

राहुल-पंत अपनी-अपनी पूर्व टीमों के सामने दिखाएंगे दम, लखनऊ-दिल्ली आमने-सामने, संभावित-11

लखनऊ। आईपीएल 2025 के 40वें मैच में आज दिल्ली कैपिटल्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से है। यह मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा। दिल्ली को पिछले मैच में गुजरात से हार मिली थी और अब यह टीम जीत की पटरी पर लौटने को बेताब होगी। वहीं, लखनऊ हर मैच में ऑन पेपर कमजोर होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया है। टीम का शीर्षक्रम शानदार फॉर्म में है। दोनों टीमें जब पिछली बार भिड़ी थीं तो रोमांचक मैच देखने को मिला था। आज भी फैंस वैसे ही कुछ की उम्मीद कर रहे होंगे।इस मैच में सभी की नजरें केएल राहुल और ऋषभ पंत पर होंगे, क्योंकि दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के खिलाफ खेलेंगे। राहुल पिछले सीजन तक लखनऊ के और पंत पिछले सीजन तक दिल्ली के कप्तान थे। अब दोनों अपना दम दिखाना चाहेंगे। राहुल लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेले थे। ऐसे में वह लखनऊ फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका के सामने अपनी बल्लेबाजी का कौशल दिखाने के लिए बेताब होंगे। राहुल और गोयनका के बीच अनबन की खबरों ने पिछले सीजन खूब तूल पकड़ा था। इस साल ऑक्शन से पहले राहुल को लखनऊ ने रिलीज कर दिया था। वहीं, पंत और दिल्ली फ्रेंचाइजी के बीच भी अनबन की खबर आई थी।लखनऊ की टीम फिलहाल अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसने अभी तक आठ में से पांच मैच जीते हैं और तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। लखनऊ ने अपने पिछले मैच में राजस्थान को दो रन के करीबी अंतर से हराया था। वहीं, वहीं, दिल्ली ने अब तक सात में से पांच मैच जीते हैं और दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली और लखनऊ दोनों के 10-10 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट के मामले में दिल्ली लखनऊ से ऊपर दूसरे स्थान पर है। आज के मैच में जीत से किसी एक टीम का प्लेऑफ का दावा मजबूत हो जाएगा। दिल्ली को उम्मीद होगी कि उसके सलामी बल्लेबाज फॉर्म में लौटकर टीम को अच्छी शुरूआत देंगे। दिल्ली के ओपनर्स का प्रदर्शन इस सीजन खास नहीं रहा है और टीम तीन बार ओपनर्स बदल चुकी है। इसके इसके बावजूद यह टीम पिछले पांच मैचों में पहले विकेट के लिए 23, 34, 00, 09 और 00 रन की साझेदारी ही निभा पाई है।

केकेआर के मेंटर ब्रावो ने माना, टीम के बल्लेबाजों का आत्मविश्वास कम हुआ

एजेंसी ● नई दिल्ली

गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। केकेआर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ भी हार मिली जो इस सीजन उसकी लगातार दूसरी हार है। केकेआर के लिए उसकी बल्लेबाजी चिंता का विषय है और अब टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि केकेआर के बल्लेबाजों का आत्मविश्वास कम हुआ है।

केकेआर पंजाब किंग्स के खिलाफ 112 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी और इसके अगले मैच में भी टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ 199 रनों का लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी। केकेआर के लिए उसकी सलामी जोड़ी भी चिंता का विषय है जो लगातार टीम को बड़ी शुरूआत नहीं दिला पा रही है। केकेआर ने गुजरात के खिलाफ टीम में दो बदलाव किए और क्विंटन डिकॉक की जगह रहमानुल्लाह गुरबाज और मोईन अली को मौका दिया। गुरबाज और नरेन ने पारी की शुरूआत की, लेकिन वे मजबूत साझेदारी नहीं कर सके। ब्रावो ने कहा, आईपीएल एक कड़ा टूनार्मेंट है और जब आप अच्छी शुरूआत नहीं करते हैं, तो आप जानते हैं कि बल्लेबाज ऐसे दौर में चले जाते हैं, जहां उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। इस समय यही हो रहा है। इसलिए जैसा कि मैंने कहा, हमें बस उनका समर्थन करते रहना होगा और उम्मीद है कि वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमारे बल्लेबाजों में अभी आत्मविश्वास की कमी है जिसके कारण वह रन नहीं बना पा रहे हैं। अच्छी फॉर्म आत्मविश्वास लाती है। ईमानदारी से कहें तो इस समय हमारे पास वह आत्मविश्वास नहीं है।

केकेआर को घरेलू मैदान पर मिली हार के बाद भी ब्रावो ने ईडेन गार्डेंस की पिच को दोष नहीं दिया। उन्होंने कहा, विकेट में कुछ भी गड़बड़ नहीं है। मैं यहां विकेट के बारे में बात करने नहीं आया हूं। मुझे लगता है कि दोनों टीमें एक ही विकेट पर खेलती हैं। हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। उन्होंने हमसे बेहतर खेल दिखाया।

मोर्गन केकेआर की बल्लेबाजी से चिंतित

केकेआर के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन भी इस सीजन टीम की बल्लेबाजी से चिंतित हैं। मोर्गन ने कहा, कोलकाता नाइट राइडर्स ने उतनी अच्छी तरह से वापसी नहीं की है जितनी हम चाहते थे। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो एक मजबूत टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत होता है, लेकिन उसे पूरे टूनार्मेंट में एक जैसी विफलता का सामना करना पड़ा है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने विशेष कर अपनी बल्लेबाजी में कुछ बदलाव किए जो मेरी नजर में जरूरी नहीं थे। अगर वह आराम से बैठकर इस पर विचार करेंगे तो उनका जवाब भी ना होगा।

इंग्लैंड दौरे के लिए रोहित शर्मा का जाना लगभग तय, साई सुदर्शन पर रखी जा रही नजर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, रोहित फिट हैं और न्यूजीलैंड तथा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम की कमान संभालना जारी रखेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान मई के दूसरे सप्ताह में किया जाएगा। पीटीआई की रिपोर्ट की मानें तो मध्यक्रम के दो स्थानों के लिए कम से कम छह दावेदार हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 17 सदस्यीय टीम भेजी थी, लेकिन इंग्लैंड दौरे पर 15 या 16 सदस्यीय टीम ही जाएगी। इस दौरे के समय भारत की ए टीम भी इंग्लैंड में रहेगी और ऐसे में मुख्य टीम की जरूरत के मुताबिक ए टीम के खिलाड़ी को बुलाया जा सकता है। माना जा रहा है कि भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव किए जा सकते हैं क्योंकि कई खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने घरेलू टूनार्मेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। करुण नायर जिन्होंने वनडे और टेस्ट प्रारूप दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्हें इंडिया-ए टीम में मौका मिल सकता है। अगर सभी लोग फिट रहे तो रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल और विराट कोहली का चयन आराम से होगा। ऑलराउंडर के लिए फिलहाल पहली पसंद नीतीश कुमार रेड्डी ही हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए अभी टीम तय नहीं है, लेकिन कम से कम छह खिलाड़ी ऐसे हैं जिन पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इनमें से दो नहीं तो एक को सीनियर टीम में जगह मिल सकती है, जबकि बाकी निश्चित रूप से उसी समय इंग्लैंड लायंस (ए टीम) के खिलाफ होने वाली भारत ए सीरीज का हिस्सा होंगे। अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय चयन समिति को कुछ खिलाड़ियों विशेष रूप से रिजर्व बल्लेबाजों को चुनने के लिए काफी सोच विचार करने की आवश्यकता होगी। दौरे पर जाने वाली टीम में अगर 15 खिलाड़ी होते हैं तो एक अतिरिक्त मध्यक्रम बल्लेबाज के लिए जगह होगी। अगर टीम में 16 खिलाड़ी हैं तो ऐसे दो खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा और अगस्त के पहले सप्ताह में समाप्त होगा।

गुजरात-कोलकाता के मैच में कमेंट्री करते नहीं दिखे हर्षा भोगले-साइमन डूल

कोलकाता। आईपीएल 2025 में ईडन गार्डेंस की पिच को लेकर विवाद बढ़ गया है। कमेंटेटर हर्षा भोगले और साइमन डूल द्वारा पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी की आलोचना के बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने एक्शन लिया। उन्होंने बीसीसीआई को इसकी शिकायत की और केकेआर के घरेलू मैचों में उनसे कमेंट्री नहीं करवाने को कहा। इसी कड़ी में सोमवार को केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबले के दौरान दोनों अंग्रेजी कमेंट्री पैनल में मौजूद नहीं रहा। अब इस मामले पर हर्षा भोगले का बयान सामने आया है। भोगले ने उन अटकलों को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि उन्हें सीएबी की शिकायत के कारण केकेआर-जीटी मैच से दूर रखा गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें कोलकाता में केवल दो मैचों के लिए पैनल में शामिल किया गया था, जो खत्म हो चुके हैं।डूल और भोगले द्वारा ईडन गार्डेंस के पिच क्यूरेटर की सार्वजनिक आलोचना पर बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) कड़ी आपत्ति जताई थी। सीएबी ने साथ ही दोनों क्रिकेट विशेषज्ञों की बीसीसीआई से शिकायत करते हुए बोर्ड से अनुरोध किया था कि इन दोनों को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के घरेलू मैचों के लिए कमेंट्री की जिम्मेदारी नहीं सौंपी जाए। दिलचस्प बात यह है कि सोमवार को केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मैच के दौरान न तो भोगले और न ही डूल कमेंट्री पर थे। 'आईपीएल शुरू होने से पहले रोस्टर तैयार किया जाता है'

घरेलू हिंसा के लिये स्लेटर को जेल, सजा भुगत चुके होने के कारण रहेंगे बाहर

एजेंसी ● सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लेटर को घरेलू हिंसा समेत कई मामलों में चार साल की जेल की सजा सुनाई गई है, लेकिन एक साल से अधिक की सजा भुगत चुके होने के कारण उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा । एबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जेल में रहने के कारण उनकी सजा आंशिक रूप से निलंबित कर दी गई है।55 वर्षीय स्लेटर पर घरेलू हिंसा, अवैध रूप से पीछा करने या धमकाने, रात में घर में घुसने, सामान्य हमला, शारीरिक क्षति पहुंचाने के लिए हमला और गला घोंटने या दम घुटने सहित एक दर्जन से अधिक अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि शराब के नशे में वह बार बार अपराध दोहरा रहा था जिससे उनका व्यवहार और भी अनिश्चित हो गया।रिपोर्ट में कहा गया, 'अदालत ने सुना कि स्लेटर ने खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी क्योंकि उसने पीड़िता को उत्पीड़न की रिपोर्ट न करने की चेतावनी दी थी और वह स्लेटर के व्यवहार से बेहद भयभीत महसूस कर रही थी।' पीड़िता की पहचान रिपोर्ट में नहीं बताई गई है लेकिन कहा गया है कि वह क्वींसलैंड के नूसा इलाके की थी और 2023 से यह सब सहन कर रही थी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने 1993 से 2003 के बीच 74 टेस्ट और 42 वनडे खेले हैं ।

तमिलनाडु के 10 उभरते हुए खिलाड़ियों को 70 हजार रुपये देंगे शिवम दुबे

एजेंसी ● चैन्नई

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे तमिलनाडु के 10 उभरते हुए खिलाड़ियों को 70-70 हजार रुपये देंगे। शिवम ने यह कदम इन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया है। आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं शिवम ने तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ (टीएनएसजेए) के पुरस्कार और छात्रवृत्ति समारोह के दौरान यह दिल को छू लेने वाला फैसला लिया।दुबे ने समारोह के दौरान कहा, जब मैं टीम होटल से इस स्थान पर आ रहा था, तो डॉ. बाबा (टीएनसीए सचिव) ने मुझे बताया कि यह कार्यक्रम यहां के कुछ युवाओं की मदद करने का एक प्रयास है। ऐसे में यह कदम सभी युवा एथलीटों का हौसला बढ़ाएगा। ये छोटी-छोटी चीजें उन्हें कड़ी मेहनत करने और देश को गौरवान्वित करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा प्रदान करती हैं। मुझे अन्य राज्यों के बारे में पता नहीं है लेकिन मैंने मुंबई में ऐसी पहल देखी है। मैं निश्चित रूप से अन्य राज्यों को भी ऐसे कार्यक्रम शुरू करने के लिए कहूंगा।

दुबे ने कहा, 'यह 30,000 रुपये एक छोटी राशि लग सकती है, लेकिन यह प्रोत्साहन के रूप में काम करती है। जब आप युवा होते हैं, तो हर पैसा और हर पुरस्कार वास्तव में मायने रखता है।' जिन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया उनमें पीबी अभिनंद (टेबल टेनिस), केएस वेनिसा श्री (तीरंदाजी), मुथुमीना वेल्लासामी (पैरा एथलेटिक्स), शमीना रियाज (स्क्वॉश), जयंत आरके, एस नंदना (दोनों क्रिकेट), कमली पी (सर्फिंग), आर अबिनया, आरसी जितिन अर्जुनन (दोनों एथलेटिक्स), और ए तक्षनाथ (शतरंज) का नाम शामिल है।

सीएसके तालिका में निचले स्थान पर

सीएसके की बात करें तो उसका सफर आईपीएल 2025 में अच्छा नहीं चल रहा है और टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर चल रही है। सीएसके आठ मैचों में दो जीत और छह हार के साथ चार अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर चल रही है। सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें धूमिल हो रही हैं और अगर उसे दौड़ में बने रहना है तो शेष मैचों में जीत दर्ज करनी होगी।

दैनिक अदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम!! सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 23 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

भारत की संस्कृत से रूबरू होते वेंस

जयपुर, भारत
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस (बीच में), अपने बेटों विवेक (बाएं) और इवान के साथ आमेर किले के दौरे के दौरान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम देखते हुए।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को जयपुर में कहा-

मैं भारत की परंपरा को देख चकित हूं

एजेंसी ● जयपुर

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को जयपुर में बड़ा संकेत देते हुए कहा कि अमेरिका और भारत ने ट्रेड डील की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भारत और अमेरिका मिलकर बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत प्रगति करे। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान भारत की जमकर प्रशंसा की और कहा कि मैं भारत की धरोहर और परंपरा को देखकर चकित हूं। मंगलवार सुबह उन्होंने यहां के ऐतिहासिक आमेर के किले का दौरा किया।

संबोधन

जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए वेंस ने कहा, "हम औपचारिक रूप से यह घोषणा करते हुए विशेष रूप से उत्साहित हैं कि अमेरिका और भारत ने ट्रेड नेगोसिशंस के लिए शर्तों को आधिकारिक रूप से अंतिम रूप दे दिया है। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह हमारे देशों के बीच अंतिम सौदे की दिशा में एक रोडमैप निर्धारित करता है। उन्होंने कहा, "हमारा प्रशासन निष्पक्षता और साझा राष्ट्रीय हितों के आधार पर व्यापारिक साझेदारों की तलाश करता है। हम अपने विदेशी साझेदारों के साथ रिश्ते बनाना चाहते हैं जो अपने श्रमिकों का सम्मान करते हों, जो निर्यात बढ़ाने के लिए उनके वेतन में कटौती नहीं करते बल्कि उनके श्रम के मूल्य का सम्मान करते हों। हम एक उज्वल नया विश्व बनाना चाहते हैं।

मेरा बेटा इंडिया में रहने की जता रहा मंशा

उपराष्ट्रपति वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेहमाननवाजी की दिल से तारीफ की। वेंस ने कहा, "हम कल प्रधानमंत्री के घर डिनर पर थे। खाना बहुत ही स्वादिष्ट था और वो हमारे तीनों बच्चों के साथ बेहद प्यार से पेश आए। डिनर के बाद इवान मेरे पास आया और बोला- पापा, मुझे लगता है मैं इंडिया में रह सकता हूं।» हालांकि, इसी गर्मी की मार ने इवान का मन थोड़ा बदल भी दिया। वेंस ने हंसते हुए कहा, "करीब 90 मिनट की जयपुर की धूप में घूमने के बाद उसने कहा- पापा, चलो इंग्लैंड चलते हैं। वेंस ने यह भी बताया कि उनके तीनों बच्चे- इवान, विवेक और मिराबेल, पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहुत घुल-मिल गए हैं। वेंस ने कहा, "इन दोनों नेताओं में एक खास ऊर्जा है जिससे बच्चे तुरंत जुड़ गए। और मैं खुद भी प्रधानमंत्री मोदी को पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि यह हमारी मजबूत साझेदारी की एक अच्छी शुरुआत है।

शॉट न्यूज

बांसुरी 'नेशनल हेराल्ड की लूट' लिखा बैग लिए संसद पहुंची

नई दिल्ली। 'एक देश एक चुनाव' के मुद्दे पर मंगलवार को जेपीसी की पहली बैठक आयोजित की गई। प्रस्ताव वाले विधेयकों पर समिति की बैठक के लिए भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज एक बैग लेकर संसद भवन पहुंचीं। उनके काले बैग पर लाल रंग से 'नेशनल हेराल्ड की लूट' लिखा हुआ था। कांग्रेस की कार्यशैली को अब जनता के सामने लाया जाना चाहिए। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी आरोपी हैं और प्रवर्तन निदेशालय ने उन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है।

सैटेलाइट की दूसरी डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इसरो के स्पैडेक्स मिशन ने सैटेलाइट की दूसरी डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सैटेलाइट की दूसरी डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। उन्होंने आगे बताया, "जैसा पहले बताया गया था, पीएसएलवी-सी60/स्पैडेक्स मिशन को 30 दिसंबर 2024 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। इसके बाद सैटेलाइट को पहली बार 16 जनवरी 2025 की सुबह 06:20 बजे सफलतापूर्वक डॉक किया गया और 13 मार्च 2025 की सुबह 09:20 बजे सफलतापूर्वक अनडॉक किया गया। डॉ. सिंह ने कहा कि आने वाले दो हफ्तों में कुछ नए प्रयोग किए जाने की योजना है।

पोप फ्रांसिस का शनिवार को होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी ● वेटिकन सिटी

ईसाई धर्म के सम्मानित नेता पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे वेटिकन सिटी में आयोजित किया जाएगा। फ्रांसिस का उत्तराधिकारी चुनने के लिए एक सम्मेलन शुरू होने से पहले अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए कार्डिनल्स पहली बार मंगलवार को वेटिकन के धर्मसभा हॉल में मिले। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप के निधन के बाद दुनियाभर से शोक संदेश आ रहे हैं।

कार्डिनल्स ने सेंट पीटर स्क्वायर में फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के लिए शनिवार सुबह 10 बजे का समय तय किया है। इस प्रक्रिया को 'कॉलेज ऑफ कार्डिनल्स' के डीन कार्डिनल गियोवानी बतिस्ता रे संपन्न कराएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह और अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप शनिवार को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली भी इसमें शामिल हो सकते हैं। वेटिकन ने पोप फ्रांसिस के निधन के बाद मंगलवार को उनकी पहली तस्वीर जारी की जिसमें लकड़ी के ताबूत में रखी उनकी पार्थिव देह के साथ ही प्रार्थना करते हुए वेटिकन के 'सेक्रेटरी ऑफ स्टेट' को देखा जा सकता है।

गाजा में जंग रोकने के लिए नया प्रस्ताव

इजरायली सैनिकों की वापसी, 5-7 साल का युद्धविराम

एजेंसी ● यरुशलम

इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम वार्ता की मध्यस्थता कर रहे मिस्र और कतर के मध्यस्थों ने गाजा में शांति के लिए नया फॉर्मूला पेश किया है। वार्ता से परिचित एक फिलिस्तीनी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी गई है। प्रस्ताव में गाजा में पांच से सात साल का युद्ध विराम, इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी इजरायली बंधकों की रिहाई, युद्ध का औपचारिक अंत और गाजा से इजरायली सेनाकी पूरी तरह वापसी की बात कही गई है। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए चरमपंथी संगठन हमास का प्रतिनिधिमंडल काहिरा पहुंचने वाला था।

शांति

एक महीने पहले टूट गया था युद्धविराम

इसके पहले इस साल की शुरुआत में इजरायल और हमासयुद्धविराम पर सहमत हुए थे, जो बीते मार्च महीने में टूट गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा पर बमबारी फिर से शुरू कर दी थी। दोनों पक्षों ने इसे जारी रखने में विफलता के लिए एक दूसरे को दोषी ठहराया था। इजरायल ने मध्यस्थों की योजना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। प्रस्ताव पर काहिरा में चर्चा होने वाली है, जिसमें हमास के राजनीतिक परिषद के प्रमुख मोहम्मद दरवेश और उसके मुख्य वार्ताकार खलील अल-हय्या करेंगे।

नेतन्याहू की हमास के खात्मे की कसम

इसके पहले हमास ने इजरायल के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था, जिसमें छह सप्ताह के युद्धविराम के बदले में हमास से निरस्त्रीकरण की मांग शामिल थी। शनिवार को ही इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी किया था, जिसमें हमास के आगे सरेंडर नहीं करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि हमास के नष्ट होने और सभी बंधकों के वापस लौटने से पहले इजरायल युद्ध समाप्त नहीं करेगा। नेतन्याहू ने हमास की शर्तों पर युद्धविराम को सरेंडर की तरह बताया था।

गाजा का शासन छोड़ सकता है हमास

एक फिलिस्तीनी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि हमास ने गाजा के शासन को छोड़ने का संकेत दिया है और इसे राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर सहमत किसी भी फिलिस्तीनी इकाई को सौंपा जा सकता है। यह वेस्ट बैंक पर शासन करने वाले फिलिस्तीनी प्राधिकरण (PA) या एक नया गठित प्रशासनिक निकाय हो सकता है। हालांकि, नेतन्याहू ने गाजा के भविष्य के शासन में फिलिस्तीनी प्रशासन की किसी भी भूमिका से इनकार किया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)